दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-165 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 07 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

दिल्ली, बिहार, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में भारी बारिश से मचेगी तबाही! आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। दक्षिण-पश्चिम मानसून देश के कई हिस्सों में अपना रौद्र रूप दिखा रहा है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, असम, केरल और गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई स्थानों पर आई बाढ़ ने भारी नुकसान पहुंचाया है। असम और केरल में बाढ़ एवं बारिश से अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 1.25 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। मौसम विभाग ने एक बार फिर देश के कई राज्यों में भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, बारिश का यह दौर सोमवार 10 अगस्त तक जारी रहने की संभावना है। इस दौरान कई इलाकों में तेज बारिश के साथ आंधी-तूफान की स्थिति भी बन सकती है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शुक्रवार 7 अगस्त को देश के कई राज्यों में भारी बारिश होने का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल

प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, असम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्वोत्तर के कई राज्यों में तेज बारिश की संभावना जताई गई है।मौसम विभाग ने कई स्थानों पर नारंगी चेतावनी और अधिकांश क्षेत्रों के लिए पीली चेतावनी जारी की है। प्रशासन को सतर्क रहने और लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पिछले दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली के सभी जिलों के लिए भारी बारिश की पीली चेतावनी जारी की है। लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़, डोडा, उधमपुर, कठुआ, सांबा, जम्मू, मीरपुर, राजौरी और पुंछ जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। इन जिलों के लिए मौसम विभाग ने पीली चेतावनी जारी की है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा और बिलासपुर जिलों में भी भारी बारिश की संभावना को देखते हुए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तराखंड में मानसून की सक्रियता को देखते हुए मौसम विभाग ने 12 जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया है।

केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने अरुणाचल प्रदेश के केयी पैन्योर ज़िले में अचानक आई बाढ़ और बादल फटने से हुए नुकसान का जायज़ा लेने के लिए प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

अग्नि-4 का सफल परीक्षण, मध्यम दूरी की भारतीय बैलिस्टिक मिसाइल

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत ने अपनी मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का गुरुवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण स्ट्रेटेजिक फोर्स कमांड की निगरानी में किया गया। परीक्षण के दौरान मिसाइल से जुड़े सभी ऑपरेशनल और तकनीकी मानकों की सफल पुष्टि हुई।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह मिसाइल परीक्षण पूरी तरह सफल रहा। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने निर्धारित उड़ान मार्ग का पालन करते हुए सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा किया। इस परीक्षण से अग्नि-4 की परिचालन विश्वसनीयता और भारत की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता को एक बार फिर मजबूती मिली।

गौरतलब है कि अग्नि-4 भारत की स्वदेशी विकसित मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। यह देश की विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाती है। ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया यह परीक्षण भारत के सामरिक मिसाइल कार्यक्रम की निरंतर प्रगति का संकेत है।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित उपयोगकर्ता परीक्षणों से मिसाइल प्रणाली की युद्धक तैयारी और विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है। इससे पहले भारत ने अपनी सामरिक क्षमता को और मजबूत करते हुए शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का सफल परीक्षण किया था। 22 मई को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से वह परीक्षण किया गया था। परीक्षण के दौरान मिसाइल के सभी परिचालन और तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया। यह भी परीक्षण सामरिक बल कमान की निगरानी में संपन्न हुआ था।

यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने का रास्ता साफ, केंद्र सरकार को मिला अधिकार

कर एवं अन्य कानून संशोधन विधेयक, 2026 लोकसभा में पारित

नई दिल्ली, (आरएनएस)। लोकसभा ने गुरुवार को 'कर एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी। इस विधेयक के माध्यम से 'भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007' में संशोधन किया गया है। संशोधन के बाद केंद्र सरकार को यह अधिकार मिल

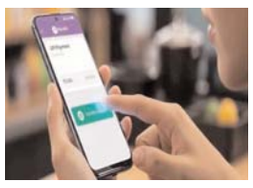

गया है कि वह बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं को यूपीआई सहित अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों पर शुल्क लगाने की अनुमति दे सके। यह विधेयक लोकसभा में बिना विस्तृत चर्चा के हंगामे के बीच ध्वनि मत से पारित किया गया। दोपहर दो बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसे विचार और पारित करने के लिए सदन के पटल पर रखा।अब तक लागू भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 की धारा 10-ए के तहत बैंकों और डिजिटल भुगतान मंचों को ग्राहकों या व्यापारियों से किसी भी प्रकार का शुल्क लेना प्रतिबंधित था। इसके अलावा आयकर नियमों के तहत 50 करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक कारोबार वाले व्यवसायों के लिए रुपे डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई जैसी मुफ्त डिजिटल भुगतान सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जनोन्मुखी पहल

जनविश्वास अभियान शुरू होगा आज से जन विश्वास अभियान यानि जनता से सीधा-संवाद और जुड़ाव

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रदेश की साढ़े 8 करोड़ से अधिक आबादी के प्रति विश्वास के प्रतीक जन-विश्वास अभियान का शुभारंभ शुक्रवार 7 अगस्त 2026 से होगा। शासन और प्रशासन ने अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। मंत्रालय से लेकर जिले तक के सभी अधिकारी अब से प्रत्येक शुक्रवार को दफ्तर छोड़कर फील्ड में जनमानस के सामने होंगे। जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में जाकर जनता से सीधा संवाद एवं जुड़ाव, शिकायतों एवं समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण करना, फील्ड की वास्तविक स्थितियों का फीडबैक प्राप्त करना, प्रशासन के पर्यवेक्षण तंत्र को सुदृढ़ करना और प्रशासन की पारदर्शी और संवेदनशील छवि का निर्माण करना है।अभियान में प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार के दिन संपूर्ण प्रदेश में अपरिहार्य स्थिति को छोड़कर किसी भी स्तर पर कोई बैठक आयोजित नहीं होगी। यह दिन केवल फील्ड भ्रमण को समर्पित रहेगा। भोपाल से लेकर संभाग और जिले तक सभी वरिष्ठ अधिकारी फील्ड भ्रमण पर रहेंगे और अभियान में मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, शासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित होंगे। अभियान का प्रारंभ 7 अगस्त 2026 से होगा। जिला कलेक्टर एक सप्ताह पूर्व भ्रमण का क्षेत्र चिन्हित करेंगे और जन-प्रतिनिधियों को अवगत कराएंगे। साथ ही मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। भ्रमण से एक सप्ताह पूर्व ही उस क्षेत्र के सी.एम. हेल्पलाईन, जन-सुनवाई और लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों की समीक्षा, भ्रमण से पूर्व ही की जाएगी लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत

निराकरण किया जाएगा। निराकरण से शेष रहे प्रकरणों एवं भ्रमण के दौरान प्राप्त आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जाएगा। अभियान के तहत जिला कलेक्टर, जिले के अधिकारियों के साथ फील्ड में दौरा करेंगे। दो प्रकार के जन-संवाद और उद्योग संवाद आयोजित किए जाएंगे। एम.एस.एम.ई एवं कुटीर उद्योगों के उद्यमियो की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार जिलो में पहुँचेंगे, मुख्यमंत्री के भ्रमण-क्षेत्र में ही जिले का समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सरकार ने मेटा को साफ-साफ बताया, हर हाल में करना पड़ेगा कानून का पालन

नई दिल्ली (आरएनएस)। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि सरकार ने मेटा की उस टीम से सवाल किया, जो भारत आई है. पूछताछ हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फेसबुक पोस्ट पर कुछ समय के लिए रोक लगाने के मामले में सोशल मीडिया कंपनी को समन भेजे जाने के बाद की गई. सरकार और मेटा की ग्लोबल टीम के बीच बातचीत संपन्न हो गई है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि मेटा से उनके एल्गोरिदम के बारे में भी सवाल किए गए. उनसे यह पूछा गया कि क्या उनके नियमों का पालन करने वाले सिस्टम में संवैधानिक और कानूनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त जांच-पड़ताल और सुरक्षा उपाय मौजूद हैं।

मेटा के ग्लोबल अफेयर्स हेड जोएल कपलान को सरकार ने यह बताने के लिए बुलाया था कि प्रधानमंत्री की फेसबुक पोस्ट को कुछ समय के लिए क्यों रोका गया था. कपलान मेटा

में 2011 में शामिल होने से पहले जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के प्रशासन में काम कर चुके हैं।

मीटिंग के बाद, सरकारी सूत्रों ने बताया कि मेटा के अधिकारियों ने बच्चों के यौन शोषण वाले कंटेंट और डीपफेक से जुड़ी कमियों को माना और यह भी स्वीकार किया कि एक खास तरह के कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए काफी पैसे दिए गए थे पता चला है कि वैष्णव ने मेटा से यह भी पूछा कि क्या वे अपने प्लेटफॉर्म पर गैर-कानूनी कंटेंट को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठा रहे हैं.सरकारी सूत्रों ने कहा, उन्होंने माना कि उनके सिस्टम इतने सारे गैर-कानूनी कंटेंट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं. उन्होंने स्वीकार किया कि वे इस सब पर काबू नहीं पा पा रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव गुरुवार को मेटा की ग्लोबल टीम से मिले और इसके बाद मंत्रालय की तकनीकी टीमों के साथ बातचीत हुई. इससे पहले बुधवार को मेटा के अधिकारियों की वैष्णव से मुलाकात के बाद सरकारी सूत्रों ने बताया था कि अमेरिका स्थित इस टेक कंपनी ने मोदी की फेसबुक पोस्ट को कुछ समय के लिए हटाने के साथ-साथ कई अन्य गलतियों के लिए भी माफी मांगी थी।

यौन उत्पीड़न मामले में तरुण तेजपाल को दोषी करार, 10 साल की सजा हुई

मुंबई, (आरएनएस)। महाराष्ट्र की बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को तहलका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में बलात्कार का दोषी ठहराया है। न्यायमूर्ति नीला गोखले और अमित जमसंदकर की खंडपीठ ने गोवा की निचली अदालत के फैसले को पलट दिया, जिसमें तेजपाल को बरी कर दिया गया था। हाई कोर्ट ने तेजपाल को 10 साल की सजा भी सुनाई है। तेजपाल ने कहा कि वे इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे।बार एंड बेंच के मुताबिक, सुनवाई के दौरान, गोवा सरकार ने आरोप लगाया कि निचली अदालत का फैसला पक्षपातपूर्ण और पूर्वाग्रह से प्रेरित था। इस दौरान तेजपाल ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज, संदेशों और विशेषज्ञ साक्ष्यों सहित रिकॉर्ड का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने के बाद बरी किया गया था।

लखीमपुर खीरी हिंसा मामला: सुप्रीम कोर्ट का आशीष मिश्रा की जमानत शर्तों में और ढील देने से इनकार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2021 लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत की शर्तों में और ढील देने से इनकार कर दिया.यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी मोहना की बेंच के सामने आया. आशीष

मिश्रा के वकील ने कहा कि मौजूदा पाबंदियों की वजह से, वह अपनी बेटियों के जन्मदिन समेत परिवार के किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पा रहे हैं.बेंच ने साफ कर दिया कि वह मिश्रा की जमानत की शर्तों में ढील देने की अर्जी पर विचार नहीं करना चाहती. बेंच ने अर्जी पर विचार करने से मना करते हुए कहा, इस समय इस अर्जी पर विचार करने का कोई आधार नहीं है। यह हिंसा 3 अक्टूबर, 2021 को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के तिकुनिया गांव में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई थी।

इस घटना में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई. सरकारी वकील का आरोप है कि एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी गाड़ी ने चार किसानों को कुचल दिया, जिसके बाद हुई हिंसा में एक ड्राइवर, दो भाजपा कार्यकर्ताओं और एक पत्रकार की भी जान चली गई. आशीष मिश्रा उन आरोपियों में से हैं जिन पर इस मामले में मुकदमा चल रहा है।

कॉकरोच जनता पार्टी जनता की समस्याओं को समझेगी, शुरू करेगी क्या बोलती जनता राष्ट्रव्यापी अभियान

छत्रपति संभाजीनगर, (आरएनएस)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने गुरुवार को लोगों की दिक्कतों को समझने के लिए क्या बोलती पब्लिक कैंपेन शुरू करने की घोषणा की.दिपके ने कहा कि, वे देश के एजुकेशन सिस्टम को बेहतर बनाना चाहते हैं. हम क्या बोलती पब्लिक कैंपेन शुरू कर रहे हैं. हमारा मकसद पूरे देश में लोगों की दिक्कतों को समझना है. महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में अपने घर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, उन्होंने शिक्षा प्रणाली, बेरोजगारी और न्याय व्यवस्था को लेकर प्रशासन पर निशाना साधते हुए, अलग-अलग मुद्दों पर केंद्र सरकार की आलोचना की.उन्होंने कहा, राजनीतिक व्यवस्था पर भरोसा कम हो रहा है. न्यायिक फैसले अक्सर सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में होते हैं. उद्योपतियों से जुड़े मामलों की सुनवाई तेजी से होती है, और कोर्ट के दखल से राजनीतिक पार्टियों को चुराया जा रहा है।

केजरीवाल का दावा- इंस्टाग्राम अकाउंट प्रतिबंधित किया गया; बोले- प्रधानमंत्री के सामने इतना न झुकें

नईदिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया है। उन्होंने एक्स पर स्क्रीनशॉट साझा करते हुए बताया कि भारत में उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर रोक लगा दी गई है। केजरीवाल ने आगे कहा कि उन्हें इसके पीछे की वजह भी नहीं बताई गई और मेटा की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है।केजरीवाल ने कहा, मेटा इंडिया आपने मेरे अकाउंट पर रोक क्यों लगाई है? आपके भारत स्थित कार्यालय में पूछने पर पता चला कि भारत में मेरे अकाउंट पर रोक लगा दी गई है और यह यहां उपलब्ध नहीं है। ऐसा क्यों? आपके कार्यालय में कोई इसका कारण नहीं बता रहा है। कोई नहीं बता रहा कि इसे कैसे हटाया जा सकता है। प्रधानमंत्री के सामने इतना न झुकें। वरना वे आपको भारत में सिर्फ उन्हीं का अकाउंट चलाने देंगे।

केजरीवाल फिलहाल ई20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ हमलावर हैं। कल ही उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार ने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स की उस रिपोर्ट को वापस लेने के लिए मजबूर किया, जिसमें ई20 पेट्रोल को लेकर चिंताएं जताई गई थीं।

केजरीवाल ने इस मुद्दे पर दिल्ली में टाउनहॉल का भी आयोजन किया था, जिसमें लाखों लोगों के जुड़ने का दावा था।

उन्होंने 4 अगस्त को प्रधानमंत्री आवास तक मार्च भी किया था।

केजरीवाल ने एक अलग पोस्ट में कहा, मोदी सरकार का क्या प्लान है? पता चल रहा है कि पेट्रोल में 50 प्रतिशत से ज्यादा की मिलावट करेंगे। अभी माहौल शांत होने का इंतजार कर रहे हैं। पहले आपकी ई0 और ई10 गाड़ियों में जबरदस्ती ई20 पेट्रोल डालकर कबाड़ा किया।

दैनिक क्षितिज ✌ किरण

आवश्यकता है

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में

संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की

योग्यता

स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर

समाज से जुड़े, पहचान बनाएं

जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ

संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770

संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्वच्छ ऊर्जा और हरित परिवहन का दिया संदेश, सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली मेट्रो से किया सफर

भोपाल, (निप्र.) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगा वॉट गैर–जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य नवकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। म.प्र. आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में शामिल होने के लिए एयरपोर्ट से दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के माध्यम से शिवाजी स्टेडियम तक यात्रा कर स्वच्छ एवं पर्यावरण–अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश दिया। दिल्ली मेट्रो अपने संचालन में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा का उपयोग करती है, इसलिए मुख्यमंत्री ने हरित ऊर्जा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में मेट्रो से यात्रा की।

मध्यप्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों का दिया प्रेजेंटेशन

नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी–2026 में मध्यप्रदेश ने स्वच्छ एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों और भविष्य की कार्य योजना का प्रभावी प्रेजेंटेशन दिया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी तथा भूटान के ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री एच.ई. ल्योनपो जेम त्शेरिंग तथा श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री अनुरा करुणाथिलका, अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा म.प्र. मनु श्रीवास्तव सहित देश–विदेश के ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ, नीति–निर्माता और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट G W गैर–जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में निवेश–अनुकूल नीतियों, सुदृढ़ आधारभूत संरचना और पर्याप्त प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता से मध्यप्रदेश देश के अग्रणी ग्रीन एनर्जी हब के रूप में तेजी से उभर रहा है। सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा, हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार, निवेश और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। यह आयोजन स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने तथा सतत विकास के लक्ष्यों की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में मध्यप्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 438 मेगावॉट से बढ़कर 11,000 मेगावाट हो गई है, जो लगभग 25 गुना वृद्धि है। पिछले 2 वर्षों में राज्य सरकार ने नवकरणीय ऊर्जा, पंप्ड हाइड्रो ऊर्जा भंडारण तथा बायोमास नीतियां लागू कर निवेश और नवाचार को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि 750 मेगावाट रीवा अल्ट्रा मेगा सौर परियोजना ने देश में पहली बार सौर ऊर्जा का टैरिफ कोयला आधारित विद्युत से भी कम स्थापित किया। इस परियोजना को वर्ल्ड बैंक ग्रुप प्रेसिडेन्ट्स अवार्ड फॉर एक्सीलेंस प्राप्त हुआ तथा इसकी केस स्टडी हावर्ड युनिवर्सिटी में पढ़ाई जाती है।

सीलिंग पर सियासत तेज

कांग्रेस ने घेरा निगम मुख्यालय, भोपाल निगम की तैयारी तेज,आदेश मिलते ही फिर होगी कार्रवाई

भोपाल, (निप्र.) । सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद राजधानी में आवासीय भवनों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों का मामला अब राजनीतिक रंग लेने लगा है। गुरुवार को कांग्रेस ने लिंक रोड नंबर–2 स्थित नगर निगम मुख्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मुख्य गेट पर नगर निगम का पुतला फूंकते हुए सरकार और निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि भोपाल पिछले 25 वर्षों से बिना मास्टर प्लान के चल रहा है। सरकार समय पर मास्टर प्लान लागू नहीं कर सकी, जिसका खामियाजा आज हजारों व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के 15 महीने के कार्यकाल में मास्टर प्लान अंतिम चरण में पहुंच चुका था, लेकिन सरकार बदलने के बाद इसे लागू नहीं किया गया। उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल नया मास्टर प्लान लागू करे। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक व्यापारियों को राहत देने के लिए मिक्स लैंड यूज व्यवस्था लागू की जाए, ताकि आवासीय क्षेत्रों में वर्षों से संचालित छोटे व्यापार प्रभावित न हों।कांग्रेस पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने कहा कि यदि आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियां नियमों के विरुद्ध हैं तो नगर निगम वर्षों से कमर्शियल कर किस आधार पर वसूलता रहा। उन्होंने मांग की कि व्यापारियों से वसूला गया कमर्शियल कर वापस किया जाए। कांग्रेस नेता शोएब खान ने आरोप लगाया कि नगर निगम ने अदालत में अपना पक्ष प्रभावी ढंग से नहीं रखा। यदि निगम मजबूती से पैरवी करता तो व्यापारियों को राहत मिल सकती थी। इसी विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम का पुतला दहन किया। एक दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की 10 सदस्यीय जांच समिति की कार्रवाई पर रोक लगा दी और इस मामले में हाईकोर्ट से मिले सभी स्थगन आदेश भी निरस्त कर दिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसके आदेशों के समानांतर कोई दूसरी प्रक्रिया नहीं चल सकती और अवैध निर्माण व भूमि उपयोग उल्लंघन के मामलों में कानून के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

अजय सिंह ने बस किराये में बढ़ोतरी को बताया जनविरोधी, कहा- न्यूनतम किराया बढ़ने से गरीब और मध्यमवर्ग पर बढ़ेगा बोझ

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह ने राज्य सरकार द्वारा बस किरायों में की गई बढ़ोतरी का कड़ा विरोध करते हुए इसे आम जनता की जेब पर सीधा हमला और पूरी तरह जनविरोधी फैसला बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने निजी बस संचालकों के दबाव में आकर करोड़ों यात्रियों, छात्रों, किसानों और मजदूरों के हितों की अनदेखी की है। अजय सिंह ने गुरुवार को जारी अपने बयान में कहा कि नए आदेश के तहत सामान्य बसों का मूल किराया 1.25 रुपये प्रति किलोमीटर से बढ़ाकर सीधे 2 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। वहीं न्यूनतम किराया 7 रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये किए जाने से सबसे अधिक असर गरीब और रोजाना बस से यात्रा करने वाले लोगों पर पड़ेगा। उनका कहना है कि किराये में की गई यह वृद्धि मध्यमवर्गीय परिवारों के मासिक बजट पर भी अतिरिक्त बोझ डालेगी।उन्होंने बताया कि संशोधित दरों के अनुसार रात्रिकालीन बस सेवाओं में सामान्य किराये पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। वहीं नॉन–एसी डीलक्स बसों में 25 प्रतिशत, स्लीपर बसों में 40 प्रतिशत, एसी डीलक्स में 50 प्रतिशत तथा सुपर लग्जरी कोच में 75 प्रतिशत तक अधिक किराया यात्रियों को चुकाना होगा। अजय सिंह ने सरकार के उस तर्क को भी खारिज किया, जिसमें डीलक्स, स्लीपर और लग्जरी बसों पर अलग से नाइट चार्ज या एक्सप्रेस सेवा शुल्क नहीं लेने की बात कही गई है।

भोपाल मेट्रो यात्रियों को बड़ी राहत, अब रविवार और सरकारी छुट्टी पर हर 15 मिनट में मिलेगी ट्रेन

भोपाल (ए.)। राजधानी भोपाल में मेट्रो से सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) ने रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिन मेट्रो सेवा का विस्तार करने का फैसला किया है। अब इन दिनों यात्रियों को हर 15 मिनट में मेट्रो सेवा मिलेगी। साथ ही मेट्रो का संचालन एक घंटे अतिरिक्त किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग सुविधा का लाभ उठा सकें। नई व्यवस्था के अनुसार, रविवार और सार्वजनिक अवकाश पर सुभाष नगर स्टेशन से एम्स के लिए अंतिम मेट्रो शाम 7:30 बजे, जबकि एम्स स्टेशन से सुभाष नगर के लिए अंतिम मेट्रो रात 8:00 बजे रवाना होगी। इससे यात्रियों को कम इंतजार करना पड़ेगा और शाम के समय भी आसान एवं निर्बाध यात्रा की सुविधा मिलेगी।

हालांकि, अन्य सभी कार्यदिवसों में मेट्रो का संचालन पहले की तरह ही रहेगा। पीक आवर्स सुबह 9:00 बजे से 10:30 बजे तक तथा शाम 5:30 बजे से 7:00 बजे तक हर 15 मिनट में मेट्रो उपलब्ध रहेगी। वहीं नॉन–पीक आवर्स में निर्धारित समय–सारणी के अनुसार ट्रेनों का संचालन जारी रहेगा। भोपाल मेट्रो में हाल ही में अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली के पूरी तरह लागू होने के बाद दोनों ट्रैक पर नियमित परिचालन शुरू किया गया है। इससे ट्रेन संचालन पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, समयबद्ध और विश्वसनीय हुआ है। मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि यात्रियों की बढ़ती संख्या और उनकी सुविधा को देखते हुए रविवार एवं सार्वजनिक अवकाश के लिए यह नई व्यवस्था लागू की गई है। यात्रियों को डिजिटल और कैशलेस यात्रा का अनुभव देने के लिए भोपाल मेट्रो में ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन (AFC) प्रणाली पहले से लागू है। यात्री MPMR-CL मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल टिकट बुक कर सकते हैं। टिकट का भुगतान PI, QR कोड, ई–वॉलेट और मोबाइल ऐप के जरिए किया जा सकता है। झ्इसके अलावा यात्रियों को आकर्षित करने के लिए कई प्रमोशनल ऑफर भी जारी हैं। रिटर्न टिकट पर 5 प्रतिशत, ग्रुप टिकट पर 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

वन राज्यमंत्री के सरकारी बंगले में पेड़ों की कटाईः कांग्रेस ने कहा- ये सरकार ही पर्यावरण विरोधी है

भोपाल(ए.)। भोपाल के शिवाजी नगर में स्थित मप्र के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार के सरकारी बंगले में पेड़ काटे जा रहे हैं। वन मंत्री के घर के अंदर चल रही पेड़ों की कटाई का वीडियो कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया ने X पर शेयर किया है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने बंगले के अंदर चल रही पेड़ों की कटाई के वीडियो पोस्ट कर लिखा– पौधे लगाने की बात करने वाली मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के वन मंत्री के घर में पेड़ों की कटाई हो रही है, इसीलिए कहते हैं भाजपा की कथनी और करनी में अंतर होता है। बंगले में पेड़ काटे जाने को लेकर भास्कर ने वन एवं पर्यावरण मंत्री दिलीप अहिरवार को फोन पर संपर्क किया लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। छतरपुर जिले के चंदला से पहली बार 2023 में विधायक बने दिलीप अहिरवार मप्र सरकार में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री हैं। वे सन 2000 से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े और धर्म जागरण के काम में लगे। साल 2009 में भाजपा से जुड़कर उन्होंने अनु. जाति मोर्चा में जिला महामंत्री (2009–2011), जिलाध्यक्ष (2011–2016) और प्रदेश महामंत्री (2016–2018) के रूप में काम किया। इसके बाद 2018 से 2021 तक छतरपुर भाजपा के जिला महामंत्री रहे और 2021 में जिला उपाध्यक्ष भी बने थे। वर्तमान में वे चंदला से विधायक और वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री हैं।

बुंदेली समाचार प्रतिदिन दोपहर 12 बजे डीडी एमपी पर होगा प्रसारित

डीडी मध्यप्रदेश पर समाचार एकांश बुंदेली समाचार का शुभारंभ

भोपाल (निप्र.)। क्षेत्रीय बोलियों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए डीडी न्यूज़ मध्यप्रदेश पर आज समाचार एकांश बुंदेली समाचार का शुभारंभ किया गया। महानिदेशक, डीडी (न्यूज़) सुश्री ममता वर्मा ने दूरदर्शन केंद्र, भोपाल में आयोजित समारोह में इस विशेष समाचार बुलेटिन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त महानिदेशक, डीडी न्यूज़ (पीबी–शब्द) सुश्री ऋतु शुक्ला, निदेशक एवं क्षेत्रीय समाचार प्रमुख, डीडी न्यूज़ मध्यप्रदेश श्रीमती पूजा पी. वर्धन, वरिष्ठ बुंदेली साहित्यकार एवं पद्मश्री से सम्मानित कैलाश मड़वैया, वरिष्ठ अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने वीडियो संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि बुंदेली जैसी समृद्ध लोकभाषा में समाचार प्रसारण क्षेत्र के लोगों को उनकी अपनी बोली में विश्वसनीय समाचार उपलब्ध कराने के साथ–साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का प्रभावी माध्यम बनेगा।

निर्वाचन कार्यों में छोटी सी लापरवाही अविश्वास का बन जाती है कारण : राज्य निर्वाचन आयुक्त श्रीवास्तव

- उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स की हुई प्रशिक्षण कार्यशाला

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि निर्वाचन कार्यों में छोटी सी लापरवाही अविश्वास का कारण बन जाती है। अतः प्रशिक्षण कार्यशाला में अपनी सभी शंकाओं का समुचित समाधान करें और अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दें। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्रीवास्तव गुरुवार को राजधानी भोपाल स्थित होटल पलाश में आयोजित उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स की राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

स्थानीय निकाय के निर्वाचन अधिक संवेदनशील

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्रीवास्तव ने कहा कि स्थानीय निकायों के निर्वाचन तुलनात्मक रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं। आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। निर्वाचन प्रक्रियाओं की नवीनतम तकनीकों को अपनाने के साथ ही इस बात पर विशेष ध्यान दें कि इन तकनीकों पर मतदाताओं का पूरा विश्वास कायम रहे। मतदान की पवित्रता को मतदाता हमेशा याद रखता है।राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मतदान की प्रक्रिया की वेबकास्टिंग करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईव्हीएम के माध्यम से मतदान एक साथ कराने पर भी गहन विचार–विमर्श किया जा रहा है। श्रीवास्तव ने बताया कि सहयोगात्मक संघवाद की भावना के अनुरूप किराये पर मध्यप्रदेश, त्रिपुरा, सिक्किम, महाराष्ट्र और राजस्थान में स्थानीय निकायों के निर्वाचन के लिये ईव्हीएम उपलब्ध करायी गयी हैं।

भोपाल के सरकारी स्कूल की बदहाली

जर्जर कमरों में पढ़ाई, न बिजली न पानी, 70 बच्चों को पढ़ा रही अकेली शिक्षिका

भोपाल (ए.)। राजधानी भोपाल के कोलार क्षेत्र स्थित ओम नगर की शासकीय नवीन प्राथमिक शाला की बदहाल स्थिति एक बार फिर सवालों के घेरे में है। गुरुवार को कोलार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने स्कूल का निरीक्षण कर वीडियो जारी किया। वीडियो में स्कूल की जर्जर इमारत, सीलन से भरी दीवारें, उखड़ा प्लास्टर, टूटे शौचालय और अव्यवस्थित परिसर नजर आ रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि स्कूल में वर्षों से बिजली और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं, जबकि पहली से पांचवीं तक के करीब 70 बच्चों की पढ़ाई केवल एक शिक्षिका के भरोसे चल रही है। सुबह करीब 10:30 बजे कोलार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्कूल पहुंचा।

इस दौरान प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों और स्कूल की एकमात्र शिक्षिका से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल में सुजीत पांडा, शाहिद हुसैन, सुनील पाटिल, रवि चौधरी, आदि नागले और आनंद इंगोले भी मौजूद रहे। कांग्रेस की ओर से जारी वीडियो में स्कूल भवन की दीवारों और छत पर सीलन, कई जगह प्लास्टर उखड़ा हुआ और शौचालय जर्जर हालत में दिखाई दे रहे हैं। परिसर की सुरक्षा के लिए लगी जाली भी कई जगह से टूटी हुई है। कांग्रेस का दावा है कि स्कूल में बिजली का कनेक्शन नहीं है, पेयजल की स्थायी व्यवस्था नहीं है और बच्चों के बैठने के लिए पर्याप्त फर्नीचर भी उपलब्ध नहीं है। कई बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई करते हैं।

आंशिक किराया बढ़ाकर फिर पुराने रेट पर लौटीं कैब कंपनियां

टैक्सी चालक संघ ने लगाई गुहार, समाधान नहीं हुआ तो प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

भोपाल (निप्र.)। 12 घंटे पहले भोपाल टैक्सी चालक संघ (भारतीय मजदूर संघ सम्बद्ध) ने दावा किया है कि 23, 24 और 25 जून को एयरपोर्ट राइड के बहिष्कार के बाद एग्रीगेटर कंपनियां दबाव में आई थीं और उन्होंने किराए में आंशिक सुधार किया था। हालांकि, संघ का आरोप है कि यह राहत कुछ समय तक ही रही और बाद में कंपनियां फिर पुराने किराए पर लौट आईं।संगठन का कहना है कि मौजूदा किराया बढ़ती महंगाई और संचालन लागत के मुकाबले पर्याप्त नहीं है, जिससे टैक्सी चालकों की आजीविका प्रभावित हो रही है।

संघ के महामंत्री राजेश कुमार नागले ने बताया कि 4 अगस्त को संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने परिवहन मंत्री राव उदयप्रताप सिंह से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किराया निर्धारण, एग्रीगेटर कंपनियों की कार्यप्रणाली, अवैध बाइक–टैक्सी और कार संचालन समेत प्लेटफॉर्म वर्कर्स से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाया गया।नागले के अनुसार, परिवहन मंत्री ने ज्ञापन का अध्ययन करने के बाद परिवहन आयुक्त और परिवहन सचिव से चर्चा कर मंत्रालय में संगठन के साथ बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया है।संघ का कहना है कि मध्यप्रदेश में टैक्सी किराए के लिए स्पष्ट सरकारी गाइडलाइन नहीं होने से एग्रीगेटर कंपनियां मनमाने तरीके से किराया तय कर रही हैं। संगठन ने सरकार से टैक्सियों के लिए अलग से किराया निर्धारण, स्पष्ट नीति और नियामक व्यवस्था लागू करने की मांग की है।इसके साथ ही संगठन ने मोटर वाहन अधिनियम–2025 की उन व्यवस्थाओं पर भी आपत्ति जताई है, जिनका हवाला देकर कंपनियां किराए में मनमानी करने का आरोप झेल रही हैं।

ज्ञापन में पैनिक बटन और जीपीएस जैसे सुरक्षा उपकरणों के नाम पर ड्राइवरों पर बढ़ रहे अतिरिक्त आर्थिक बोझ का मुद्दा भी उठाया गया। संघ का कहना है कि इन व्यवस्थाओं का अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा, जबकि इनका खर्च टैक्सी चालकों पर पड़ रहा है।

इसके अलावा एग्रीगेटर कंपनियों के माध्यम से कथित रूप से संचालित अवैध बाइक टैक्सी और कार संचालन पर भी कार्रवाई की मांग की गई है। महामंत्री राजेश कुमार नागले ने कहा कि संगठन शासन–प्रशासन तक अपनी बात प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सफल रहा है और अब सरकार को समस्याओं के समाधान के लिए उचित समय दिया जाएगा। उन्होंने सभी टैक्सी चालकों से संगठन की रीति–नीति पर भरोसा बनाए रखने और एकजुट रहने की अपील की है।संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि तय समयावधि में मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को भोपाल तक सीमित नहीं रखा जाएगा। संगठन प्रदेश के अन्य शहरों में कार्यरत टैक्सी चालकों और यूनियनों को साथ लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल और व्यापक आंदोलन करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला से की सौजन्य भेंट

भोपाल (निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में ओम बिरला से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर दोनों के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने, संसदीय परंपराओं तथा जनहित एवं विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला का हार्दिक स्वागत एवं मार्गदर्शन के लिए आभार माना। उन्होंने देश एवं मध्यप्रदेश के विकास, सुशासन तथा जनकल्याण से जुड़े विषयों पर विचार–विमर्श किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र और राज्य के समन्वित प्रयासों से विकास कार्यों को नई गति मिल रही है और जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो रहा है।

मप्र कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक 11 अगस्त को, जनआंदोलनों और स्थानीय मुद्दों पर बनेगी रणनीति

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की महत्वपूर्ण बैठक 11 अगस्त को भोपाल में आयोजित होगी। बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित पीएसी के वरिष्ठ सदस्य शामिल होंगे। मुकेश नायक ने गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा में बताया कि बैठक में प्रदेश में विपक्ष की भूमिका को अधिक जनोन्मुखी और प्रभावी बनाने के साथ ही संगठन की आगामी रणनीति पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला कांग्रेस अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और विधानसभा प्रभारियों को स्थानीय जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों की पहचान कर उन्हें संगठन के माध्यम से प्रमुखता से उठाने के निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के मुद्दों के साथ–साथ स्थानीय समस्याओं को भी अपने आंदोलन का केंद्र बनाएगी।पत्रकार वार्ता के दौरान नायक ने आरोप लगाया कि प्रदेश की सहकारी संस्थाओं, मंडी समितियों, नगरीय निकायों और अन्य स्वायत्त संस्थाओं में लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हुई है। उनका दावा था कि सहकारी बैंकों में निर्वाचित व्यवस्था के स्थान पर नामांकन की व्यवस्था लागू किए जाने से सहकारिता की मूल भावना प्रभावित हुई है।

प्रदेश में घुड़सवारी खेल के समग्र विकास के लिए तैयार होगा दीर्घकालीन रोडमैप : मंत्री श्री सारंग

भोपाल (ए.)। प्रदेश में घुड़सवारी खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने एवं इसके समग्र विकास और प्रोत्साहन के उद्देश्य से 8 अगस्त को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी में राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। सेमिनार में देशभर के प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों, विशेषज्ञों, इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों तथा सरकारी एवं निजी प्रशिक्षण संस्थानों की सहभागिता रहेगी। सेमिनार की तैयारियों को लेकर खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को टी.टी. नगर स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।बैठक में मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में घुड़सवारी खेल के लिए एक सशक्त और दीर्घकालीन इकोसिस्टम विकसित करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के इस सेमिनार में देशभर के अनुभवी प्रशिक्षकों, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, विशेषज्ञों, इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया, निजी प्रशिक्षण केन्द्रों तथा प्रदेश के प्रमुख सरकारी एवं निजी संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

जबलपुर में थमे मेट्रो बसों के पहिए, कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से जनजीवन प्रभावित

जबलपुर (ए.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में गुरुवार को शहर की मेट्रो बस सेवा पूरी तरह ठप हो गई। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मेट्रो बसों के ड्राइवर और कंडक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल के चलते सुबह से शहर की सड़कों पर एक भी मेट्रो बस नहीं चली, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों का आरोप है कि लंबे समय से उनकी जायज मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि उनके भविष्य निधि (पीएफ) से जुड़े मामलों में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। इसके अलावा टिकट कलेक्शन और निर्धारित लक्ष्य (टारगेट) को लेकर भी प्रबंधन का रवैया कर्मचारियों के प्रति अनुचित है। कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी और मेट्रो बसों का संचालन शुरू नहीं किया जाएगा। अचानक हुई इस हड़ताल का सबसे अधिक असर रोजाना मेट्रो बसों से सफर करने वाले यात्रियों पर पड़ा है। सुबह स्कूल, कॉलेज और कार्यालय जाने वाले लोगों को वैकल्पिक परिवहन की तलाश में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई यात्री ऑटो और अन्य निजी वाहनों पर निर्भर नजर आए, जिससे शहर के कई इलाकों में यातायात का दबाव भी बढ़ गया। अब सभी की निगाहें प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच होने वाली संभावित वार्ता पर टिकी हैं।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, कारण अज्ञात

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

अनूपपुर(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा के कोतमा थाना क्षेत्र के कोतमा बस स्टैंड और बंजारा तिराहा के पास बुधवार-गुरूवार की रात युवक का शव संदिग्ध अवस्था में सड़क किनारे मिला। मृतक की पहचान जमुना निवासी 35 वर्षीय अशोक चौहान के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू गुरूवार को पोस्टमार्डम उपरांत शव परिजनो को सौप दिया गया।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक अपने एक दोस्त की बाइक पर सवार था और अचानक नीचे गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हालांकि, मृतक ने शराब के सेवन की बात भी कही जा रही है, जिसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं कुछ लोगो ने बताया कि बैठ कर शराब पी रहा था तभी अचानक कुछ देर में ही मृत्यु हो गई।

उज्जैन रोड पर शराबी का तमाशा, बेरीकेट्स फेंके और फ्लेक्स फाड़े, वीडियो वायरल

उज्जैन (ए.)। एक नशे में धुत व्यक्ति ने जमकर हंगामा किया, जिसकी वजह से लोगों को बहुत परेशानी हुई। सोशल मीडिया पर इस शराबी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह सड़क पर लगे प्लास्टिक के बैरिकेड्स फेंकते और फ्लेक्स बैनर फाड़ते हुए दिख रहा है। चश्मदीदों ने बताया कि वह व्यक्ति नशे में था और उसने काफी देर तक सड़क पर हंगामा किया, जिससे वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई।

उज्जैन रोड पर शराबी ने किया हाईवोल्टेज ड्रामा

यह घटना देवास में उज्जैन रोड के एक चौराहे पर हुई, जहां उस व्यक्ति को ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक बैरिकेड्स उठाते और फेंकते हुए देखा गया। इसके बाद उसने पास लगे फ्लेक्स बैनर भी फाड़ दिए, जिससे तमाशा और बढ़ गया। आने-जाने वाले लोग उसे तमाशा करते देख हैरान हो गए। चलते ट्रैफिक के बीच उस व्यक्ति का बेकाबू व्यवहार अब सोशल मीडिया पर चर्चा में है। शराबी का यह हाईवोल्टेज ड्रामा हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है।इस क्लिप पर ऑनलाइन काफी चर्चा हो रही है। कई यूजर्स ने उस व्यक्ति के व्यवहार को खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना बताया खासकर इसलिए, क्योंकि इससे गाड़ी चलाने वालों और पैदल चलने वालों को खतरा हो सकता था। कुछ लोगों ने स्थानीय अधिकारियों से उस व्यक्ति की पहचान करने और उसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की, जबकि कुछ ने सवाल उठाया कि किसी ने तुरंत दखल क्यों नहीं दिया। फिलहाल देवास पुलिस ने वायरल वीडियो के बाद किसी गिरफ्तारी या उठाए गए कदमों के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन

देवास और उज्जैन के आस-पास सड़कों पर लापरवाही से गाड़ी चलाने के वीडियो पहले भी वायरल हो चुके हैं। इनमें चलती गाड़ियों पर स्टंट करना और विरोध-प्रदर्शन या दुर्घटनाओं के कारण ट्रैफिक जाम होना जैसी घटनाएं शामिल हैं। हाल ही में उज्जैन में देवास रोड पर एक व्यक्ति के कार के बोनट पर स्टंट करने का मामला सामने आया, जिसके बाद स्थानीय स्क ने सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

1000 रुपये के विवाद में पति ने की पत्नी की हत्या, पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खोला खौफनाक राज

डिंडोरी (ए.)। मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पवित्र पति-पत्नी के रिश्ते को तार-तार कर दिया है। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बड़ी बिछिया में एक मामूली घरेलू विवाद ने भयावह रूप ले लिया। सिर्फ एक हजार रुपये की रकम के लिए एक पति ने अपनी ही पत्नी की जान ले ली। शुरुआत में आरोपी ने इस वारदात को सामान्य मौत या छोटी-मोटी कहा सुनी का रूप देने की पूरी कोशिश की, लेकिन पुलिस की सतर्कता और पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सच उजागर कर दिया। पुलिस की छानबीन में सामने आया कि मृतका रामकली बनवासी के बेटे सोनू बनवासी ने घर के जरूरी खर्चों के लिए अपनी मां को एक हजार रुपये दिए थे। जब इस बात की भनक पति पप्पू बनवासी को लगी, तो वह पत्नी से वे पैसे छीनने का दबाव बनाने लगा। रामकली ने घर के खर्च का हवाला देते हुए रुपये देने से साफ मना कर दिया।

शासकीय सांदीपनि कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल बाजार में सृजन संवाद कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, यातायात नियम एवं कानूनों की दी जानकारी

बैतूल (ए.)। शासकीय सांदीपनि कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल बाजार में गुरुवार को शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सृजन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे, डीएसपी दिनेश सिंह मर्सकोले, यातायात प्रभारी गजेंद्र केन, निरीक्षक कविता नागवंशी, उप निरीक्षक रश्मि ठाकुर एवं साइबर टीम, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राचार्य एल.एल. लिल्हौरे, प्रभारी प्राचार्य आरके मालवीय, टीओटी प्रशिक्षित शिक्षक रमेश कुमार पिंजारे एवं दशरथ गावंडे तथा शिक्षक पुरुषोत्तम देशमुख द्वारा मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया।

सागर : पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, राजस्व सेवाओं पर पड़ सकता है असर

सागर, (ए.)। मध्य प्रदेश पटवारी संघ के आह्वान पर प्रदेशभर में पटवारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। सागर जिले में भी पटवारी धरने पर बैठ गए हैं। संघ का कहना है कि शासन स्तर पर मांगों के संबंध में ठोस निर्णय होने तक आंदोलन जारी रहेगा। पटवारी संघ के जिला पदाधिकारियों के अनुसार, लंबे समय से संवर्ग से जुड़ी विभिन्न मांगें लंबित हैं। इनमें कैडर रिव्यू को शीघ्र लागू करना, समय पर पदोन्नति और समयमान वेतनमान का लाभ देना, नायब तहसीलदार पद के लिए लंबित विभागीय परीक्षा आयोजित करना, स्थानांतरण नीति के विपरीत किए गए संघ पदाधिकारियों के तबादलों को निरस्त करना तथा सेवा एवं वेतन संबंधी अन्य विसंगतियों का निराकरण प्रमुख रूप से शामिल हैं। संघ के प्रतिनिधियों का कहना है कि पूर्व में मुख्यमंत्री के साथ हुई चर्चा के

दौरान पटवारियों की समस्याओं के समाधान के लिए राज्यस्तरीय महाधिवेशन आयोजित करने का आश्वासन दिया गया था। उनका आरोप है कि अब तक न तो महाधिवेशन की तिथि घोषित की गई है और न ही मांगों के संबंध में कोई औपचारिक आदेश जारी किया गया है।

इससे पटवारी संवर्ग में असंतोष बढ़ा है। पटवारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन जारी रहेगा। संघ ने शासन से जल्द वार्ता शुरू कर सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की है हड़ताल के चलते प्रदेश में राजस्व विभाग से जुड़े कई कार्य प्रभावित होने की संभावना है। नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, जाति एवं आय प्रमाण-पत्रों का सत्यापन, किसान सम्मान निधि सहित अन्य राजस्व संबंधी सेवाओं पर इसका असर पड़ सकता है, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

व्यापार समाचार

प्लास्टिक के नोट कब आएंगे? आरबीआई गवर्नर ने 10-20 के पॉलिमर नोट पर दी बड़ी अपडेट

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश में पॉलिमर (प्लास्टिक) बैंक नोटों को प्रचलन में लाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि फिलहाल पॉलिमर नोटों का फील्ड ट्रायल जारी है और इसके नतीजों के आधार पर ही इन्हें बड़े पैमाने पर जारी करने का फैसला लिया जाएगा। केंद्रीय बैंक का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027-28 तक इन नोटों को बाजार में उतारने का है।

मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि पॉलिमर बैंक नोटों के पायलट प्रोजेक्ट के तहत विभिन्न परिस्थितियों में इनके प्रदर्शन का परीक्षण किया जा रहा है। बड़े स्तर पर जारी करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ये नोट भारतीय मौसम, उपयोग की प्रकृति और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप टिकाऊ और प्रभावी साबित हों।

उन्होंने बताया कि फील्ड ट्रायल के दौरान प्राप्त आंकड़ों और अनुभवों का विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। इसके बाद ही पॉलिमर नोटों को व्यापक स्तर पर प्रचलन में लाने को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

इससे पहले केंद्र सरकार संसद को बता चुकी है कि उसने आरबीआई के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 10 रुपये और 20 रुपये मूल्यवर्ग के पॉलिमर नोटों का फील्ड ट्रायल किया जाएगा। इस पायलट परियोजना के अंतर्गत दोनों मूल्यवर्ग के 100-100 करोड़ नोट जारी करने की योजना है, ताकि उनकी मजबूती, टिकाऊपन और भारतीय परिस्थितियों में उपयोगिता का आकलन किया जा सके।

आरबीआई का मानना है कि पॉलिमर नोट पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में अधिक समय तक चलते हैं। विशेष रूप से छोटे मूल्यवर्ग के नोट, जिनका उपयोग सबसे अधिक होता है और जो जल्दी खराब हो जाते हैं, उनके लिए यह बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। इससे नोटों की बार-बार छपाई और प्रतिस्थापन पर आने वाली लागत में भी कमी आने की संभावना है।

पॉलिमर नोटों में उन्नत सुरक्षा तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इनमें पारदर्शी विंडो सहित कई आधुनिक सुरक्षा फीचर शामिल किए जा सकते हैं, जिससे नकली नोटों की पहचान आसान होगी और जालसाजी पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल कागजी मुद्रा को पूरी तरह समाप्त करने की कोई योजना नहीं है। पॉलिमर नोट जारी होने के बाद भी वे मौजूदा कागजी नोटों के साथ समानांतर रूप से प्रचलन में बने रहेंगे।

आरबीआई के अनुसार, देश के विभिन्न क्षेत्रों की जलवायु और उपयोग संबंधी परिस्थितियों में पॉलिमर नोटों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। फील्ड ट्रायल और परिचालन समीक्षा पूरी होने के बाद ही इनके व्यापक उपयोग पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता 3 गीगावाट के पार हुई : प्रह्लाद जोशी

जोशी ने बताया-23 तक 5 गीगावाट लक्ष्य की राह पर भारत

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को कहा कि भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता 300 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है।

उन्होंने कहा कि देश 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित 7वें सीआईआई अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए कहा कि जनवरी से लेकर जून के बीच केवल छह महीने में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन की क्षमता में 30.58 गीगावाट की वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पिछले दो वर्षों में भारत ने 90 गीगावाट अक्षय ऊर्जा या गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता जोड़ी है। जोशी ने उद्योग जगत के दिग्गजों से अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में अधिक निवेश करने का भी आग्रह किया। जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत देश में 50 लाख से अधिक घरों का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत हर 6 दिनों में करीब एक लाख नए घर जुड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने (रूफटॉप सोलर) की गति में पिछले नौ महीनों में 3.2 गुना से अधिक वृद्धि हुई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अक्टूबर, 2025 में जहां प्रतिदिन 5,000 संयंत्र लगाए जा रहे थे। जुलाई में यह संख्या बढ़कर अब 16,328 से अधिक प्रतिदिन हो गई है। उन्होंने कहा कि 19 लाख घरों को शून्य बिजली बिल मिल रहा है। जोशी ने कहा कि योजना के तहत 12 लाख से अधिक घरों ने अतिरिक्त बिजली को बेचकर 421 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है।

तमिलनाडु सरकार का बड़ा कदम, 22500 लोगों को दी जाएगी इलेक्ट्रिक वाहन सर्विसिंग की ट्रेनिंग

चेन्नई (ए.)। तमिलनाडु सरकार अगले पांच साल में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सर्विसिंग में 22,500 लोगों को ट्रेनिंग देने के लिए एक खास स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू करेगी। इसमें सड़क किनारे काम करने वाले 12,500 टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर मैकेनिक भी शामिल होंगे। सरकार राज्य के पारंपरिक ऑटोमोबाइल वर्कफोर्स को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव के लिए तैयार कर रही है।

2026-27 के संशोधित बजट में घोषित इस पहल के लिए मौजूदा वित्त वर्ष में 3 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसका मकसद उन मैकेनिक्स को जरूरी टेक्निकल स्किल्स सिखाना है, जो अभी पेट्रोल और डीजल गाड़ियों की सर्विसिंग पर निर्भर हैं, ताकि वे ईवी और उनके बैटरी सिस्टम की मरम्मत और रखरखाव कर सकें।

श्रम विभाग के सूत्रों ने बताया कि यह प्रस्ताव श्रम और कौशल विकास मंत्री जे. मोहम्मद फरवास के साथ बजट-पूर्व बैठक के दौरान पारंपरिक ऑटोमोबाइल मैकेनिक्स की ओर से रखी गई बातों के बाद तैयार किया गया। मैकेनिक्स ने खास ट्रेनिंग की मांग की थी ताकि वे ऑटोमोबाइल सेक्टर में तेजी से हो रहे बदलावों के हिसाब से खुद को ढाल सकें, क्योंकि इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और कारें तेजी से आम होती जा रही हैं।

अधिकारियों ने बताया कि सड़क किनारे काम करने वाले मैकेनिकों के पास आम तौर पर इंटरनल कंबशन इंजन वाले वाहनों की मरम्मत का काफी व्यावहारिक अनुभव होता है, लेकिन अक्सर उनके पास ईवी टेक्नोलॉजी की औपचारिक ट्रेनिंग नहीं होती है। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी पैक, इलेक्ट्रिक मोटर, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, डायग्नोस्टिक सिस्टम और हाई-वोल्टेज कंपोनेंट्स से जुड़े अलग तरह के कौशल की जरूरत होती है। प्रस्तावित प्रोग्राम में ईवी सर्विसिंग, बैटरी की देखभाल, खराबी का पता लगाने, सुरक्षा प्रक्रियाओं और आधुनिक डायग्नोस्टिक उपकरणों के इस्तेमाल की व्यावहारिक ट्रेनिंग दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि हाई-वोल्टेज इलेक्ट्रिकल सिस्टम को सुरक्षित रूप से संभालने पर खास जोर दिया जाएगा।

लेबर डिपार्टमेंट इन कोर्स को डिजाइन करने और चलाने के लिए एक प्रोफेशनल ट्रेनिंग पार्टनर चुनने की प्रक्रिया में है। स्कीम के औपचारिक रूप से शुरू होने से पहले योग्यता, कोर्स की अवधि, ट्रेनिंग सेंटर और हर बैच में लाभार्थियों की संख्या के बारे में विस्तृत गाइडलाइंस जारी की जाएंगी।

अधिकारियों ने कहा कि यह प्रोग्राम उभरती औद्योगिक जरूरतों के हिसाब से वर्कर्रों के कौशल को अपग्रेड करने और यह सुनिश्चित करने के सरकार के व्यापक प्रयास का हिस्सा है कि जैसे-जैसे ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री साफ-सुथरी टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ रही है, पारंपरिक मैकेनिकों के रोज़गार के अवसर खत्म न हों।

यह पहल सत्ताधारी टीवीके के विधानसभा चुनाव घोषणापत्र के भी अनुरूप है, जिसमें पारंपरिक मैकेनिक्स को ट्रेनिंग लेने और ईवी मैकेनिक्स के तौर पर क्वालिफाई करने में मदद के लिए 10,000 रुपए की आर्थिक सहायता देने का वादा किया गया था।

सरकार को उम्मीद है कि यह प्रोग्राम उस वादे को पूरा करने के साथ-साथ कुशल टेक्नीशियनों का एक बड़ा समूह तैयार करेगा, जो तमिलनाडु के बढ़ते ईवी इकोसिस्टम को सपोर्ट करने में सक्षम होंगे। इससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ने में आसानी होने और साथ ही पेट्रोलियम ईंधन पर निर्भरता कम करने और गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को रोकने की कोशिशों में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

शिपरॉकेट का आईपीओ 12 अगस्त को खुलेगा, 19 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली, (ए.)। एसएमई और बड़े रिटेलर्स को ई-कॉमर्स सॉल्यूशन मुहैया कराने वाली कंपनी शिपरॉकेट ने अपने आईपीओ की लॉन्चिंग का ऐलान कर दिया है। कंपनी का 1,617.48 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 अगस्त को खुलेगा। इस आईपीओ में निवेशक 14 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। वहीं एंकर इन्वेस्टर्स इस आईपीओ में 11 अगस्त को बोली लगा सकेंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 18 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 19 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 92 रुपये से लेकर 97 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 154 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम-से-कम एक लॉट यानी 154 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,938 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,94,194 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 2,002 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, पीएसयू बैंक के शेयरों की जमकर खरीदारी

बाजार की मजबूती के बावजूद निवेशकों को लगी 58 हजार करोड़ की चपत

नई दिल्ली, (ए.)। आज दिनभर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों ने एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू कर दी, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल लगातार ऊपर-नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.48 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।बीएसई का सेंसेक्स आज 201.43 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 78,782.43 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के साथ ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा।

बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स गिर कर 78,633.73 अंक के स्तर तक आ गया। राहत की बात यही रही कि बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद यह सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। कारोबार के आखिरी वक्त में तेज खरीदारी होने के कारण सेंसेक्स 373.76 अंक की मजबूती के साथ 78,954.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 16.35 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 24,641 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लगातार खरीद-बिक्री शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 52.40 अंक यानी 0.21 प्रतिशत उछल कर 24,677.05 अंक के स्तर तक पहुंचा। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर यह सूचकांक 20.50 अंक यानी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,604.15 अंक के स्तर तक गिर भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 11.35 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,636 अंक के स्तर पर बंद हुआ।आज दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। निफ्टी का पीएसयू बैंक इंडेक्स 2.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

नौकरशाहों का शिकंजा

इसरो के पूर्व चेयरमैन जी. माधवन नायर ने अब वो राज़ बताया है, जिस पर कयास लग रहे थे। उन्होंने कहा कि इसरो में वैज्ञानिकों के ऊपर नौकरशाहों का शिकंजा कसने की प्रवृत्ति बढ़ी है।

इसी महीने यह चौंकाने वाली खबर आई कि तकरीबन 120 वैज्ञानिकों और तकनीक-कर्मियों ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से इस्तीफा दे दिया, अथवा समय से पहले अवकाश ग्रहण कर लिया है। इनमें गगनयान, चंद्रयान-3 और स्पाडेक्स जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियानों से जुड़े वैज्ञानिक शामिल बताए गए। तब से इसरो से वैज्ञानिकों के 卐मोहभंग卐 को लेकर कई तरह के कयास लगाए जाते रहे हैं। बहरहाल, केंद्र का रुख उलटबासी की तरह रहा। वैज्ञानिकों के असंतोष के कारणों का पता लगाने का इरादा दिखाने के बजाय सरकार ने सख्ती का पैगाम दिया। अंतरिक्ष विभाग ने वैज्ञानिकों के इस्तीफे और स्वैच्छिक अवकाश-ग्रहण पर रोक लगा दी।

बहरहाल, इसरो के पूर्व चेयरमैन जी. माधवन नायर ने अब एक मीडिया इंटरव्यू में वो राज़ बताया है, जिस पर कयास लग रहे थे। उन्होंने कहा कि इसरो में 'ब्यूरोक्रेटाइजेशन' यानी वैज्ञानिकों के ऊपर नौकरशाहों का शिकंजा कसने की प्रवृत्ति बढ़ी है। यह वैज्ञानिकों के पलायन का प्रमुख कारण बना है। नायर ने दो टूक कहा कि वैज्ञानिक केवल पैसों के लिए इसरो छोड़ कर नहीं जा रहे, बल्कि संस्थान में बढ़ती नौकरशाही और प्रशासनिक जटिलताएं इसकी बड़ी वजह हैं। नायर ने ये सुझाव भी दिया है कि अंतरिक्ष आयोग के पूर्ण अधिकारों को बहाल किया जाए और शीर्ष प्रतिभाओं के लिए प्रदर्शन-आधारित इंसेंटिव फिर से शुरू की जाए। इन बातों का अर्थ है कि मौजूदा सरकार ने इन दोनों मामलों में पहले से जारी चलन को पलट दिया है।

नायर ने कहा कि नई संस्थाओं (जैसे इन-स्पेस और एनएसआईएल) के आने से फैसले लेने की प्रक्रिया जटिल हुई है, जिसे फिर से सरल और प्रभावी बनाने की जरूरत है। नायर ने चेतावनी दी है कि बाहरी एजेंसियों की ओर से इसरो के अत्यधिक प्रशिक्षित कर्मियों और समृद्ध संसाधनों को अपनी ओर खींचने का जबरदस्त दबाव है, जिससे अंतरिक्ष कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। जिस समय निजी क्षेत्र ने भी भारत के अंतरिक्ष अभियान क्षेत्र में कदम रखा है, ऐसी टिप्पणियों का खास महत्त्व हो जाता है। ये टिप्पणियां सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाती हैं। क्या केंद्र इस बारे में देश को भरोसे में लेगा?

संस्थाओं के ऊपर से लोगों का भरोसा समाप्त

हरिशंकर व्यास

एक एक करके इस देश की हर संस्था की साख खत्म होती जा रही है और संस्थाओं के ऊपर से लोगों का भरोसा समाप्त है, और इसका नया आयाम कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी की ओर से जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन शुरू हुआ घटनाक्रम भी है। ध्यान रहे देश दो चीजों पर भरोसे से चलता है। पहली चीज है इलेक्शन और दूसरी चीज है एग्जामिनेशन। इन दोनों पर भरोसे का संकट है। एक के बाद एक चुनाव जीतने की जिद में भाजपा ने ऐसे काम किए, जिनसे लोगों का भरोसा घटा। यह सिर्फ विपक्षी पार्टियों का मामला नहीं है। आम लोगों के मन में भी यह धारणा बैठ गई है कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। यह धारणा बनवाने में भाजपा का इकोसिस्टम भी समान रूप से जिम्मेदार है। 'मोदी है तो मुमकिन है' का नारा भी इस धारणा को मजबूत करता है। भाजपा इकोसिस्टम के लोग अमित शाह की लार्जर दैन लाइफ छवि बनाने के लिए ऐसा प्रचार करते हैं कि वे जहां हाथ डाल देंगे वहां कामयाबी मिलेगी।

रील्स और वीडियो बना कर प्रचारित कराया जाता है कि वे जहां चाहेंगे वहां चुनाव जिता देंगे। पश्चिम बंगाल की जीत के बाद यह प्रचार तेज हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीट पर आ गई थी। लेकिन उसके बाद महाराष्ट्र से लेकर हरियाणा और दिल्ली व बिहार में जैसे वह जीती है उससे भी लोगों के मन मे यह धारणा बैठी कि कुछ भी हो जाए भाजपा जीतेगी। इससे चुनाव आयोग के साथ साथ चुनाव की विश्वसनीयता प्रभावित हुई। भाजपा के लोग मजाक में ही सही लेकिन इस धारणा का प्रचार करते हैं कि वोट किसी को दीजिए, वह जाएगा भाजपा के खाते में और चुनाव कोई जीते सरकार भाजपा बनाएगी। इन बातों से समूची चुनाव प्रक्रिया संदेह के घेरे में आई है।

जंतर मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान जिस तरह से मीडिया के एक समूह ने प्रदर्शनकारियों को विलेन बना कर सरकार का एजेंडा चलाया उसने मीडिया की विश्वसनीयता को और कम किया। इससे पहले दूसरे प्रदर्शनों में भी ऐसा ही होता था परंतु किसान हों या शाहीन बाग के प्रदर्शनकारी वे 'जेन जी' की तरह मुखर या सामने से प्रतिवाद करने वाले नहीं थे। लेकिन युवाओं ने प्रतिवाद किया और यह देखने को मिला कि उन्होंने मुख्यधारा की मीडिया को लगभग समूचे आंदोलन से बाहर रखा।

रवींद्रनाथ टैगोर विचारों का वह वृक्ष, जिसकी छाया आज भी शीतल है

कृति आरके जैन

सभ्यताएँ अपनी सबसे बड़ी पूँजी स्मारकों में नहीं, उन विचारों में बचाकर रखती हैं जो पीढ़ियों का हाथ थामे रहते हैं। 7 अगस्त 1941 को रवींद्रनाथ टैगोर का शरीर कोलकाता के जोड़ासाँको में शांत हुआ, पर उनका सृजन और चिंतन पहले से अधिक जीवित हो उठा। उनका प्रस्थान किसी अध्याय का अंत नहीं, नई दिशाओं में खुलते एक विराट संवाद की शुरुआत था। आज भी किसी वृक्ष तले बैठा बालक जब कल्पना का पहला शब्द गढ़ता है, या शहरी कोलाहल में कोई मन पक्षियों का स्वर सुन लेता है, तब टैगोर हमारे बीच उपस्थित हो उठते हैं। उनकी पुण्यतिथि स्मरण का अनुष्ठान नहीं, आत्ममंथन का क्षण है—क्या हमने अब भी अपने भीतर संवेदना, सौंदर्य और प्रकाश की वह ज्योति बचा रखी है, जिसे उन्होंने अपने जीवन और साहित्य से प्रज्वलित किया था।विचार तभी साँस लेते हैं, जब वे परंपरा का सम्मान करते हुए उसकी सीमाओं से आगे बढ़ने का साहस रखें।

जोड़ासाँको ने रवींद्रनाथ टैगोर को संस्कार, कला, संगीत और उदार विचारों का वातावरण दिया, पर किसी मान्यता को अंतिम सत्य मानना नहीं सिखाया। विद्यालय की बंधी व्यवस्था उन्हें रास नहीं आई, इसलिए उन्होंने ज्ञान को पुस्तकों से निकालकर प्रकृति में खोजा। वृक्ष, ऋतुएँ और आकाश उनके शिक्षक थे। यही सोच शांतिनिकेतन बनी, जहाँ शिक्षा का उद्देश्य सूचना जुटाना नहीं, भीतर के मनुष्य को जगाना था। वहाँ परीक्षा से ज्यादा जीवन का अनुभव महत्त्व रखता था। इसलिए शांतिनिकेतन केवल शिक्षण संस्थान नहीं, ऐसी दृष्टि बना, जिसमें ज्ञान और संवेदना एक-दूसरे के पूरक बने।भाषा की सबसे बड़ी सफलता सीमाएँ लाँघकर मनुष्य से मनुष्य को जोड़ना है। गीतांजलि का नोबेल सम्मान रवींद्रनाथ टैगोर का

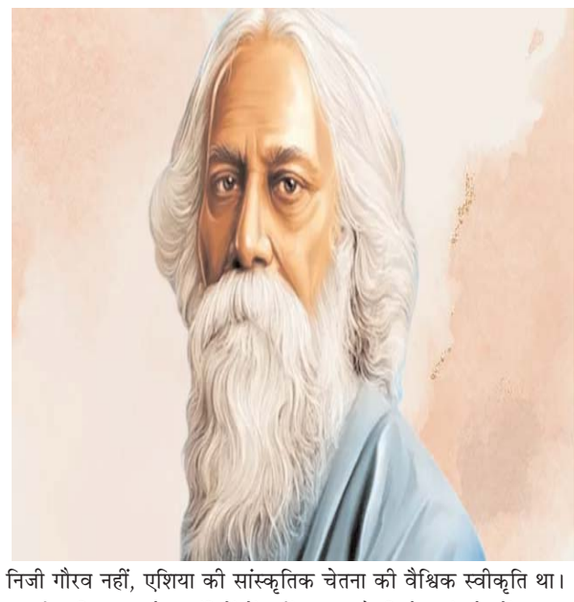

निजी गौरव नहीं, एशिया की सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति था। उनकी कविता का ईश्वर मंदिरों में नहीं, मनुष्य के निर्मल अंतर्मन में बसता है। इसलिए उनकी रचनाएँ भय नहीं, आत्मविश्वास और भीतरी स्वतंत्रता जगाती हैं। गोरा, घरे-बाइरे और काबुलीवाला उपदेश नहीं देते; वे समाज के अंतर्विरोध खोलकर पाठक को स्वयं से प्रश्न करने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके लिए साहित्य मनोरंजन नहीं, आत्मपहचान का माध्यम था, जहाँ मनुष्य स्वयं से साक्षात्कार करता है।राष्ट्र का सबसे ऊँचा स्वर वह है, जिसमें विवेक, करुणा और आत्मसम्मान साथ बोलते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर का देशप्रेम इसी आधार पर खड़ा था। जलियाँवाला बाग़ के बाद नाइटहुड लौटाना उनके लिए राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, आत्मसम्मान का निर्णय था। उन्होंने राष्ट्रवाद को कभी आक्रोश की भाषा नहीं बनने दिया। एकला चलो रे भीड़ से अलग होने का नहीं, सत्य के लिए अकेले डटे रहने का संदेश है। उनका विश्वास था कि बाहरी स्वतंत्रता, अंत:करण की स्वतंत्रता के बिना अधूरी है। इसलिए हिंसा उन्हें किसी आदर्श का स्थायी मार्ग नहीं लगी। आज, जब राष्ट्रप्रेम कई बार शोर और कटुता में सिमट जाता है, टैगोर याद दिलाते हैं कि प्रेम से रिक्त देशभक्ति अंतत: अपना अर्थ खो देती है।कुछ भाव शब्दों में नहीं समाते, वे स्वर बनकर ही अपना पूरा अर्थ पाते हैं। रवींद्रनाथ का संगीत उसी अनुभूति का विस्तार है। रवींद्र संगीत में प्रकृति पृष्ठभूमि नहीं, मनुष्य के भावों की सहभागी है। हवा, नदी, वर्षा, संध्या और बदलती ऋतुएँ प्रेम, विरह और आशा के साथ एकाकार हो उठती हैं। जन गण मन और आमार सोनार बांग्ला सिद्ध करते हैं कि सच्ची कला सीमाओं और राजनीति से कहीं बड़ी होती है। टैगोर के लिए संगीत साधना था, जहाँ गायक और श्रोता एक ही लय में अपना अहं विसर्जित कर देते हैं। इसलिए उनके गीत समय के साथ पुराने नहीं होते; वे मनुष्य के शाश्वत अनुभवों से जन्मे हैं।सृजन का स्वभाव एक ही भाषा में ठहरना नहीं जानता। जीवन के उत्तरार्ध में रवींद्रनाथ टैगोर ने शब्दों से आगे बढ़कर रंग और रेखाओं में अपनी अनुभूतियाँ उकेरीं। चित्रकला उनके लिए परंपरा की पुनरावृत्ति नहीं, आत्म-अन्वेषण का नया माध्यम बनी। लोक और आदिवासी कला की प्रेरणा को उन्होंने अपनी मौलिक दृष्टि से ऐसा रूप दिया कि अमूर्त आकृतियाँ भी गहरे भाव व्यक्त करने लगीं। उनकी तूलिका मानो कविता की ही दूसरी अभिव्यक्ति थी। इससे स्पष्ट हुआ कि प्रतिभा किसी एक विधा की सीमाओं में नहीं बँधती। कवि, कथाकार, संगीतकार, चित्रकार और शिक्षाविद्—हर रूप में वही जिज्ञासु चेतना सक्रिय रही, जो जीवन के अनदेखे अर्थों की निरंतर तलाश करती रही।हर युग अपनी सबसे बड़ी कीमत किसी न किसी रूप में चुकाता है। हमारे समय ने सुविधा पाई है, पर संवेदना का कुछ हिस्सा खो दिया है। तकनीक ने गति दी, किंतु प्रकृति और अपने भीतर के मनुष्य से दूरी भी बढ़ाई। ऐसे दौर में रवींद्रनाथ टैगोर का चिंतन नई रोशनी देता है। उनकी शिक्षा-दृष्टि बताती है कि ज्ञान का उद्देश्य केवल दक्षता नहीं, व्यक्तित्व का परिष्कार भी है। विश्वभारती इसी विचार का साकार रूप है, जहाँ शिक्षा जीवन, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ती है। उनके लिए सौंदर्य और सत्य अलग नहीं, एक ही अनुभूति के दो आयाम थे। इसलिए उनका संदेश आज भी हमें ठहरने, स्वयं से मिलने, प्रकृति से जुड़ने और मनुष्यता को जीवन का केंद्र बनाने की प्रेरणा देता है।किसी महान जीवन का सबसे विश्वसनीय प्रमाण उसकी छोड़ी हुई विरासत नहीं, उसकी बची हुई प्रासंगिकता होती है। इसलिए 7 अगस्त केवल स्मरण का दिन नहीं, आत्मपरीक्षण का अवसर है। रवींद्रनाथ टैगोर को सचमुच याद करना है, तो उनके शब्दों का नहीं, उनके विचारों का आचरण करना होगा। प्रकृति के प्रति सम्मान, शिक्षा में स्वतंत्रता, कला में मानवीयता और राष्ट्रप्रेम में करुणा—यही उनकी सबसे बड़ी धरोहर है। उनका प्रकाश आज भी हमारे भीतर पहुँच सकता है, यदि हम उसके लिए स्थान बचाए रखें। किसी कवि की सच्ची श्रद्धांजलि पुष्प नहीं, वह जीवन है जो उसके स्वप्नों को आगे बढ़ाए। तभी टैगोर इतिहास की स्मृति नहीं, हमारे समय की आवश्यकता बने रहेंगे।

यात्री कतारों में खड़े रहे, सुरक्षा के रखवाले सौदों में खड़े मिले

[सुरक्षा की दीवार ऊंची थी, बस उसकी नींव बिकाऊ निकली]
[हवाई अड्डे पर सोना नहीं, भरोसा तस्करी होकर बाहर निकला]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

सुरक्षा का तमाशा अजीब है—कटघरे में यात्री खड़ा होता है, चूक भीतर होती है। वह चुपचाप बैग खोलता है, जूते-बेल्ट उतारता है, पानी की बोतल छोड़ता है, लैपटॉप अलग ट्रे में रखता है। उसे भरोसा रहता है कि यह असुविधा सुरक्षा की कीमत है। लेकिन इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर 'ऑपरेशन एयरोब्रिज' ने भरोसा तोड़ दिया। अबू धाबी से आया चांदी की परत चढ़ा लगभग एक किलो सोना एयरोब्रिज पर ही एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी को सौंपा गया। वह टैरमैक से उतरकर सुरक्षा व्यवस्था को छलता रहा और जांच में कस्टम अधिकारी की मिलीभगत सामने आई। तब यह केवल तस्करी नहीं रह जाती। सवाल है—जब सुरक्षा के पहरेदार ही चाबी बेचने लगें, तो यात्रियों की कठोर तलाशी आखिर किसकी सुरक्षा कर रही है?हवाई अड्डों की सुरक्षा वहां नहीं टूटी, जहां दीवारें खत्म होती हैं; वह वहां टूटी, जहां भरोसा शुरू होता है। हमारे यहां सुरक्षा बाहर से आने वाले खतरे पर केंद्रित है। मशीनें, स्कैनर, कैमरे और नियम—सबकी निगाह यात्री पर रहती है, मानो सबसे बड़ा संदेह उसी पर हो। लेकिन दूसरी ओर खड़े कर्मचारियों, जिन्हें प्रतिबंधित क्षेत्रों में निर्बाध प्रवेश है और जिनकी पहचान ही पास है, उनकी निष्ठा की जांच नियमित और कठोर नहीं होती। इसलिए एयरोब्रिज से टैरमैक तक का रास्ता पूरी सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न बन गया। वहां न सुरंग थी, न तकनीकी चूक; केवल वर्दी, परिचित चेहरा और भीतर की मिलीभगत थी। किसी सुरक्षा तंत्र का इससे बड़ा लूपहोल नहीं हो सकता।

सुरक्षा का बोझ बेगुनाह कंधों पर रखा जाता है। खाड़ी से कमाई लेकर लौटने वाला मजदूर, विदेश पढ़ने जाने वाला छात्र और छोटे व्यापार के लिए उड़ान भरने वाला व्यापारी—सभी समान तलाशी, प्रतीक्षा और संदेह झेलते हैं। जेबें खाली करवाई जाती हैं, बच्चों तक को स्कैनर से निकाला जाता है और घंटों कतार बाद कहा जाता है कि यह उनकी सुरक्षा के लिए है। लेकिन जब सुरक्षा तंत्र में बैठे लोग दस हजार रुपये के लालच में सीमा की पवित्रता गिरवी रख दें, तब अपमान उसी ईमानदार यात्री का होता है, जिसने हर नियम निभाया। सवाल है कि क्या जांच केवल उसी के लिए है, जबकि असली खतरा उन लोगों से पैदा हो रहा है, जिन्हें जांचने की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली?किसी व्यवस्था की हार तब होती है, जब नागरिक का भरोसा टूटने लगे। यह घटना सोने की तस्करी तक सीमित नहीं; लोकतांत्रिक विश्वास का संकट बन जाती है। नागरिक कानून से डरकर नहीं, व्यवस्था की निष्पक्षता पर भरोसे से जुड़ता है। लेकिन जब एयरलाइंस कर्मचारी और कस्टम अधिकारी मिलकर सुरक्षा की दीवार में सेंध लगा दें, तब यात्री मशीनों से नहीं, वर्दी से डरने लगता है। उसे सवाल सताता है कि जिस व्यवस्था ने उसे शक की नजर से देखा, उसने अपने लोगों पर आंखें क्यों मूंद लीं। यही क्षण है, जब सुरक्षा विश्वास का आधार नहीं, अविश्वास की वजह बनती है। हवाई अड्डे की कमजोर दीवार कंक्रीट की नहीं, मनुष्य के चरित्र की होती है।सुरक्षा की विडंबना यही है कि मशीनें बढ़ती गईं, पर ईमानदारी की जांच पीछे छूट गई। इस प्रकरण में सवाल तस्करी की तकनीक नहीं, व्यवस्था की मानसिकता है। चांदी की परत चढ़ाकर सोना लाना केवल कानून को चकमा देना नहीं था; सुरक्षा व्यवस्था पर मौन व्यंग्य था। उसने दिखा दिया कि आधुनिक मशीनें भी मनुष्य की बेईमानी के सामने असहाय हैं। करोड़ों के स्कैनर, सीसीटीवी, डिजिटल निगरानी और बहुस्तरीय जांच तब बेकार हो जाती है, जब भीतर बैठा व्यक्ति जिम्मेदारी बेच देता है। व्यवस्था ने तकनीक बढ़ाई, लेकिन ईमानदारी की निगरानी मजबूत नहीं की। दस हजार रुपये का लालच करोड़ों की सुरक्षा पर भारी पड़ गया। यह तकनीक नहीं, नैतिकता की हार है।

हवाई अड्डा अब केवल अमीरों की दुनिया का द्वार नहीं, आम आदमी के भरोसे का ठिकाना भी है। नौकरी, शिक्षा, व्यापार और इलाज के लिए साधारण नागरिक भी विमान यात्रा कर रहा है। उसके लिए हवाई अड्डा सिर्फ उड़ान नहीं, सुरक्षित पहुंचने का विश्वास है। जब उसी विश्वास के भीतर से तस्करी का रास्ता निकलता है, तो चोट केवल अपराध तक सीमित नहीं रहती। यात्री सुरक्षा जांच को भरोसे के बजाय औपचारिकता समझने लगता है। सार्वजनिक संस्थाओं पर घटता विश्वास हर नागरिक को प्रभावित करता है।सुरक्षा की दीवार मशीनों से नहीं, जिम्मेदार लोगों से खड़ी होती है। समाधान केवल स्कैनर और कैमरे लगाने में नहीं है। जरूरत है कि सुरक्षा व्यवस्था का केंद्र मनुष्य बने। एयरलाइंस, कस्टम और हवाई अड्डों के कर्मचारियों की नियमित सत्यनिष्ठा जांच, संवेदनशील पदों पर समयबद्ध बदलाव, स्वतंत्र ऑडिट, आकस्मिक निगरानी और मिलीभगत पर कठोर कार्रवाई—ये सुरक्षा के जरूरी हिस्से हैं जितने तकनीकी उपकरण। जिस व्यवस्था में यात्री की हर गतिविधि दर्ज होती है, वहां सुरक्षा कर्मचारियों की जवाबदेही भी पारदर्शी होनी चाहिए। नागरिक से अनुशासन मांगने वाली व्यवस्था को पहले स्वयं अनुशासित होना होगा, वरना उसका सुरक्षा नैतिक अधिकार धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा।कुछ घटनाएं खबर बनकर खत्म नहीं होतीं, वे व्यवस्था की कमजोरी का आईना बनती हैं। इंदौर की घटना केवल सोने की तस्करी नहीं, देश के सबसे सुरक्षित द्वार पर हुआ मौन विश्वासघात है। इसने बता दिया कि सुरक्षा का खतरा बाहर का व्यक्ति नहीं, भीतर बैठा बेईमान व्यक्ति हो सकता है। जब तक व्यवस्था यह नहीं मानेगी कि सुरक्षा लूपहोल मशीनों में नहीं, मनुष्य के चरित्र में है, तब तक लंबी कतारें, तलाशी और कठोर जांच औपचारिकता रह जाएंगी। राष्ट्र की सीमाएं तकनीक से मजबूत हो सकती हैं, पर सुरक्षित तभी होती हैं, जब उन्हें संभालने वाले हाथ ईमानदार हों। अंतत: हवाई अड्डे की सुरक्षा स्कैनर की स्क्रीन पर नहीं, वर्दी पहने व्यक्ति के विवेक में होती है।

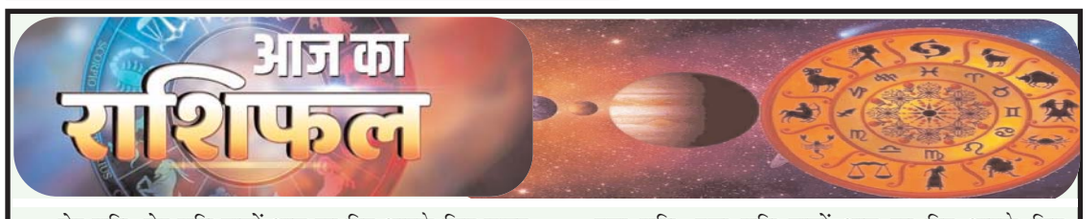

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आप अपने कारोबार में अच्छा लाभ कमायेंगे। आज आपके लिए जमीन या मकान खरीदने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कम्पनी में जॉब करने का मौका मिलेगा। आज आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा, जिससे आपको खुशी मिलेगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज ऑफिस में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जूनियर भी आपसे इंस्पायर होंगे। आज आपका पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण रहेगा, जिससे आपको भी खुशी मिलेगी। आज सामाजिक कार्यों के अंतर्गत आपकी छवि मजबूत बनेगी। आज आप किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप व्यापार में अच्छा लाभ कमायेंगे लेकिन खर्च की अधिकता रह सकती है। इसका ध्यान आपको रखना होगा। आज आपको नौकरी में ट्रांसफर से जुड़ी सूचना मिल सकती है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज के दिन की शुरुआत आप नए तरीके से करेंगे। आप अपनी दिनचर्या में हेल्दी फूड शामिल करेंगे। आज बच्चे आपसे अपने मन की बात शेयर कर सकते हैं। आपको उन्हें प्यार से समझाना होगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपने लिए रोजगार के नए अवसर तलाश करेंगे। आज आप अपने आपको काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल होंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप निजी जीवन से जुड़े कुछ अहम फैसले ले सकते हैं, जिनका असर भविष्य में आपको देखने को मिलेगा। साथ ही आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप बखूबी पूरा करेंगे।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी से बात करते समय अपने शब्दों के ऊपर नियंत्रण बनाए रखें। आज बच्चे आपके काम में हाथ बटाएंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप नया कारोबार शुरू करने का मन बना सकते हैं। साथ ही बड़ों की सलाह लेना भी उचित रहेगा। इस राशि के लेखक आज अपनी पुस्तक को पब्लिश करवा सकते हैं, जिसे लोगों के द्वारा बहुत पसंद किया जाएगा। आज किसी विषय में ज्यादा न सोचें, वरना आपको उलझन होगी और आपकी सेहत पर इसका असर पड़ सकता है।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। आज आप टेक्नोलॉजी का सहारा लेकर किसी काम को जल्द ही कम्पलीट कर लेंगे। आज आप अपना करियर मीडिया के क्षेत्र में बना सकते हैं। इस राशि के प्राइवेट नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों को आज प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको धन लाभ के कई बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आप अपने पुराने कार्यों को कम्पलीट करके जल्द ही नए कार्यों की योजना बनाएंगे। योगी परीक्षा में बैठेंगे, जिसका परिणाम आपके फेवर में आएगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल बना रहेगा। आज आप अपने बिजनेस को शिफ्ट करने से पहले उस जगह की अच्छे से जांच-पड़ताल कर लें। आज आपका स्वास्थ्य फिट एंड फाइन रहेगा और आपकी सभी उलझनें आज खत्म होंगी।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप फैक्ट्री को खोलने का विचार करेंगे, जिसमें आप भाई की सहायता ले सकते हैं। आज इस राशि के फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा।

नवजात का पहला सुरक्षा कवच- स्तनपान और इसका सामाजिक महत्व

-माँ का दूध नवजात शिशु की प्रतिरक्षा की पहली खुराक है
-अमृत तुल्य है माँ का पहला गाढ़ा पीला दूध

धनंजय राठौर

विश्व स्तनपान सप्ताह हर साल 1 से 7 अगस्त तक मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य शिशु के स्वास्थ्य के लिए माँ के दूध के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना है। जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और शुरुआती छह महीने तक केवल माँ का दूध ही देना बच्चे के लिए सबसे जरूरी है। स्तनपान के दौरान त्वचा से त्वचा का संपर्क मां और बच्चे के बीच भावनात्मक बंधन को मजबूत करता है, जिससे आराम, गर्माहट और सुरक्षा की भावना मिलती है जो स्वस्थ भावनात्मक विकास में सहायक होती है।

स्तनपान शिशुओं को जानलेवा संक्रमणों से बचाती है

हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक दुनिया भर में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य माताओं और समाज को शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के अनुसार, शिशु के जन्म के बाद पहला घंटा और शुरुआती छह महीने उसका पूरा जीवन संवारने में सबसे निर्णायक भूमिका निभाते हैं। स्तनपान करने वाले शिशुओं में दस्त, निमोनिया, कान के संक्रमण और कुछ श्वसन संबंधी संक्रमण जैसी आम बचपन की बीमारियों का खतरा कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इष्टतम स्तनपान शिशुओं को जानलेवा संक्रमणों से बचाकर विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष लाखों शिशु मृत्यु को रोकने की क्षमता रखता है।

अमृत तुल्य है पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलस्ट्रम)

जन्म के पहले कुछ घंटों में, माँ का दूध सिर्फ़ भोजन नहीं होता, बल्कि यह नवजात शिशु

की प्रतिरक्षा की पहली खुराक होती है, जो सीधे माँ के शरीर से बच्चे तक पहुँचती है। जन्म के बाद का पहला घंटा, जिसे अक्सर गोल्डन आवर कहा जाता है, स्तनपान शुरू करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान बच्चे स्वाभाविक रूप से सतर्क रहते हैं और सहज रूप से स्तन की तलाश करते हैं। त्वचा से त्वचा का शुरुआती संपर्क न केवल सफल स्तनपान की दर को बढ़ाता है, बल्कि बच्चे के तापमान, हृदय गति और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। शिशु के जन्म के तुरंत बाद (एक घंटे के भीतर) मां का पहला गाढ़ा पीला दूध, जिसे कोलस्ट्रम कहा जाता है, बच्चे का पहला प्राकृतिक टीका होता है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीबॉडीज, प्रोटीन और विटामिन होते हैं, जो नवजात शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करते हैं और उसे विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से बचाते हैं।

शुरुआती 6 महीने केवल और केवल मां का दूध

चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की स्पष्ट सलाह है कि जन्म से लेकर 6 महीने की उम्र तक बच्चे को केवल मां का दूध ही देना चाहिए। इस अवधि के दौरान बच्चे को पानी, ऊपर का दूध या शहद जैसी चीजें देने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मां के दूध में बच्चे की प्यास और भूख बुझाने के लिए सही अनुपात में पानी और सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। 6 महीने पूरे होने के बाद, स्तनपान जारी रखते हुए बच्चे को धीरे-धीरे ऊपरी पौष्टिक आहार देना शुरू किया जा सकता है, जिसे 2 साल या उससे अधिक समय तक जारी रखा जा सकता है।

स्तनपान के बहुआयामी लाभ

शिशु के लिए स्वास्थ्य वरदान है, स्तनपान कराने से बच्चों में दस्त, निमोनिया, कान के संक्रमण और कुपोषण का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि स्तनपान करने वाले बच्चों का बौद्धिक विकास और मानसिक स्वास्थ्य अन्य बच्चों की तुलना में बेहतर होता है। यह आगे चलकर बच्चों में मोटापा, डायबिटीज और अस्थामा जैसी क्रोनिक बीमारियों की संभावना को घटाता है।

मां के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

स्तनपान कराने से माताओं में स्तन कैंसर और अंडाशय के कैंसर का जोखिम कम होता है। यह प्रसव के बाद वजन घटाने और गर्भाशय को पुन: सामान्य आकार में लाने में मदद करता है। मां और बच्चे के बीच एक भावनात्मक और अटूट संबंध स्थापित होता है।

समाज और परिवार की जिम्मेदारी

स्तनपान केवल एक मां की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह परिवार और समाज की साझी जिम्मेदारी है। अक्सर देखा जाता है कि जानकारी के अभाव, सामाजिक रूढ़ियों, या कामकाजी माहौल में सुविधाओं की कमी के कारण महिलाएं समय पर स्तनपान नहीं करा पातीं। प्रसव के बाद मां को सही पोषण, मानसिक शांति और आराम मिलना आवश्यक है ताकि वह बिना किसी तनाव के बच्चे को स्तनपान करा सके।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शुक्रवार 07 अगस्त 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

तरुण तेजपाल को बड़ा झटका : बॉम्बे हाई कोर्ट ने बरी करने का फैसला पलटा, रेप केस में ठहराया दोषी

मुंबई, (आरएनएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को 2013 के चर्चित यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व 'तहलका' एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को बड़ी कानूनी राहत देने वाले निचली अदालत के फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने मापुसा सेशंस कोर्ट द्वारा तेजपाल को बरी किए जाने का फैसला रद्द करते हुए उन्हें दोषी ठहराया है। अब सजा के निर्धारण पर अलग से सुनवाई होगी।

जस्टिस डॉ. नीला गोखले और जस्टिस अमित जमसंडेकर की खंडपीठ ने गोवा सरकार की अपील स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। फैसला सुनाए जाने के दौरान तरुण तेजपाल अदालत में मौजूद थे। इससे पहले कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते समय उन्हें निर्णय सुनाए जाने के दिन व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया था। मामले में विस्तृत आदेश अभी जारी नहीं किया गया है।

हाई कोर्ट ने यह फैसला गोवा सरकार की ओर से राज्य की सीआईडी द्वारा दायर अपील पर सुनाया। राज्य की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और गोवा के एडवोकेट जनरल देविदास पंगम ने पक्ष रखा।

शिवपुरी में दलित छात्र की कथित पिटाई और जातिसूचक टिप्पणी पर एनएचआरसी सख्त

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में दलित समुदाय से जुड़े कक्षा चार के छात्र की कथित पिटाई और उसके साथ जातिसूचक टिप्पणियां किए जाने के मामले का स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग ने इसे प्रथम दृष्टया मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला मानते हुए मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव और शिवपुरी के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी किया है।

आयोग ने दोनों अधिकारियों से दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। साथ ही यह भी निर्देश दिया है कि रिपोर्ट में पीड़ित छात्र को उपलब्ध कराई गई वैधानिक राहत और की गई कार्रवाई का पूरा विवरण शामिल किया जाए।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 28 जुलाई 2026 को शिवपुरी जिले के उकावल गांव स्थित एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा चार के छात्र को अपनी पानी की बोतल से पानी पीते देख शिक्षक कथित रूप से नाराज हो गया। आरोप है कि शिक्षक ने छात्र के साथ मारपीट की और उसके खिलाफ जातिसूचक अपमानजनक टिप्पणियां भी कीं। पीड़ित छात्र अनुसूचित जाति (दलित) समुदाय से संबंधित बताया गया है।

आयोग ने कहा है कि यदि मीडिया रिपोर्टों में प्रकाशित तथ्य सही पाए जाते हैं, तो यह मामला मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आता है और इस पर विधिसम्मत कार्रवाई आवश्यक है।

अंबाला में दूषित पेयजल से बच्ची की मौत पर एनएचआरसी का स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने हरियाणा के अंबाला जिले के शाहजादपुर क्षेत्र में कथित रूप से दूषित पेयजल के सेवन से पीलिया फैलने और 12 वर्षीय एक बालिका की मृत्यु के मामले का स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग ने मामले को प्रथम दृष्टया मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन से जुड़ा मानते हुए हरियाणा के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

आयोग ने कहा है कि रिपोर्ट में उपचाराधीन बच्चों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं तथा दूषित पेयजल की समस्या के समाधान के लिए प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण शामिल किया जाए।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अंबाला जिले के शाहजादपुर क्षेत्र में सार्वजनिक नलों के माध्यम से आपूर्ति किए जा रहे पेयजल के दूषित होने के कारण कई बच्चों में पीलिया के लक्षण पाए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दूषित पानी की आपूर्ति के कारण क्षेत्र में बीमारी फैली है।

रिपोर्ट के अनुसार, 12 वर्षीय एक बालिका को प्रारंभ में पीलिया की शिकायत पर स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि यदि मीडिया में प्रकाशित तथ्य सही पाए जाते हैं, तो यह सुरक्षित पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है। इसलिए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है ताकि घटना के कारणों, प्रभावित बच्चों की स्थिति तथा प्रशासनिक कार्रवाई की समीक्षा की जा सके।

कतार से क्लिक तकः भारतीय रेलवे की आरक्षण प्रणाली ने तय किया चार दशक का डिजिटल सफर

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय रेलवे ने बीते चार दशकों में अपनी यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) को मैन्युअल काउंटर आधारित व्यवस्था से आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म में बदल दिया है। वर्ष 1986 में शुरू हुई कम्प्यूटरीकृत आरक्षण प्रणाली आज दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक रेलवे आरक्षण प्रणालियों में शामिल है। अब रेलवे अगली पीढ़ी की क्लाउड आधारित यात्री आरक्षण प्रणाली लागू कर रहा है, जिससे टिकट बुकिंग पहले की तुलना में कई गुना तेज, सुरक्षित और अधिक विश्वसनीय होगी। भारतीय रेलवे के अनुसार बढ़ती यात्री संख्या और डिजिटल सेवाओं की मांग को देखते हुए मौजूदा आरक्षण प्रणाली का व्यापक आधुनिकीकरण किया जा रहा है। नई प्रणाली के लागू होने से यात्रियों को तेज बुकिंग, बेहतर पूछताछ सुविधा, बहुभाषी इंटरफेस और अधिक स्थिर ऑनलाइन सेवाएं मिलेंगी।प्रति मिनट 1.5 लाख टिकट बुकिंग की क्षमतावर्तमान यात्री आरक्षण प्रणाली प्रति मिनट लगभग 32 हजार टिकट बुकिंग संभालने में सक्षम है। नई क्लाउड आधारित प्रणाली में यह क्षमता बढ़कर 1.5 लाख से अधिक टिकट प्रति मिनट हो जाएगी। इसी प्रकार ट्रेन संबंधी पूछताछ की क्षमता भी वर्तमान 4 लाख प्रति मिनट से बढ़कर 40 लाख से अधिक प्रति मिनट हो जाएगी।रेलवे के अनुसार नई प्रणाली भविष्य की बढ़ती मांग को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिससे तत्काल टिकट बुकिंग जैसे व्यस्त समय में भी यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा।

विकसित भारत के निर्माण में प्रादेशिक सेना की भूमिका महत्वपूर्ण : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में प्रादेशिक सेना को और सशक्त बनाने पर मंथन, आपदा राहत, पर्यावरण संरक्षण और आंतरिक सुरक्षा में योगदान की सराहना

नई दिल्ली, (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य विषय प्रादेशिक सेना रहा, जिसमें बल की भूमिका, दायित्व, उपलब्धियों और भविष्य में इसे और अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों ने समिति के सदस्यों को प्रादेशिक सेना के अधिदेश, संचालन व्यवस्था और विभिन्न क्षेत्रों में उसके योगदान की विस्तृत जानकारी दी। समिति के सदस्यों ने बल को और सुदृढ़ करने तथा इसकी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में प्रादेशिक सेना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जहां नियमित सशस्त्र बल देश की सीमाओं की सुरक्षा और रक्षा संबंधी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं, वहीं प्रादेशिक सेना सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सरोकारों और राष्ट्रीय सेवा जैसे अनेक क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय योगदान दे रही

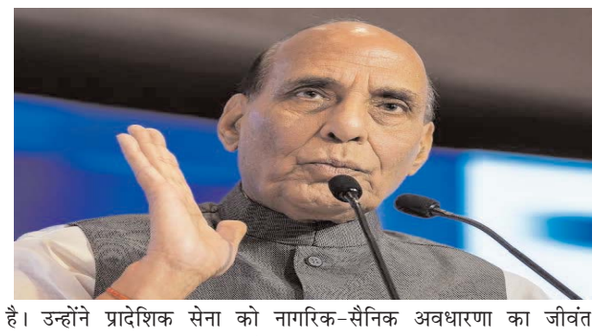

है। उन्होंने प्रादेशिक सेना को नागरिक-सैनिक अवधारणा का जीवंत उदाहरण बताते हुए कहा कि इसके सदस्य सामान्य नागरिक जीवन में अपने-अपने पेशों में कार्यरत रहते हुए भी आवश्यकता पड़ने पर वर्दी पहनकर सीमाओं की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा और राष्ट्रीय दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था देश की रक्षा क्षमता को मजबूत करने के साथ समाज और सेना के बीच विश्वास का सेतु भी तैयार करती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रादेशिक सेना प्रशिक्षित सैनिकों का एक सशक्त आरक्षित बल उपलब्ध कराती है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर शीघ्र तैनात किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सेवा अवधि पूरी कर नागरिक जीवन में लौटने वाले जवान समाज में सेना के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हैं और विशेषकर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं।उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रादेशिक सेना में लगभग 44,400 प्रशिक्षित कर्मी कार्यरत हैं तथा इसकी 59 विविध इकाइयां देशभर में सेवाएं दे रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में इसकी भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि केरल की बाढ़, ओडिशा के चक्रवात और हाल ही में असम में आई बाढ़ के दौरान प्रादेशिक सेना ने राहत सामग्री पहुंचाने, बचाव अभियान चलाने और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में अग्रिम पंक्ति में रहकर उल्लेखनीय कार्य किया।

राजनाथ सिंह ने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में प्रादेशिक सेना के पारिस्थितिक कार्य बलों की उपलब्धियों की भी प्रशंसा की।

दूषित पानी का कहर : ग्रेटर नोएडा में 100 से अधिक लोग बीमार, सोसाइटी के 1640 परिवारों में दहशत

ग्रेटर नोएडा, (आरएनएस)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित निराला ग्रीन आर्क सोसायटी में दूषित गंगाजल की आपूर्ति से 100 से अधिक लोग बीमार पड़ गए हैं। निवासियों का दावा है कि पानी की जांच में 'कोलीफार्म और ई.कोलाई बैक्टीरिया' की पुष्टि हुई है। इस घटना के बाद सोसायटी के 11 टावरों में रहने वाले करीब 1,640 परिवारों में दहशत का माहौल है। लोगों ने अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर लापरवाही का आरोप लगाया है। निवासियों के अनुसार, पिछले दो महीने से गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें की जा रही थीं। बीते एक सप्ताह के दौरान सोसायटी के व्हाट्सएप ग्रुपों में उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बुखार के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी। स्थिति गंभीर होने पर एओए ने पानी के नमूने निजी लैब में जांच के लिए भेजे। रिपोर्ट में पानी को पीने योग्य नहीं पाया गया। जांच में 'कोलीफार्म और ई.कोलाई बैक्टीरिया' की मौजूदगी मिली, जिन्हें जलजनित बीमारियों का प्रमुख कारण माना जाता है। निवासियों का दावा है कि पिछले दो सप्ताह में 100 से अधिक लोग बीमार हुए हैं, जिनमें करीब 70 बच्चे शामिल हैं।बीमारी फैलने के बाद अधिकांश परिवार अब आरओ का पानी भी उबालकर पीने को मजबूर हैं। निवासी पवन ने बताया कि उनके परिवार के सभी सदस्य बीमार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। निवासी नवल किशोर सिंह ने आरोप लगाया कि एओए ने समय पर ओवरहेड टैंकों की सफाई और पानी की जांच नहीं कराई। उनका कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाते, तो इतनी बड़ी संख्या में लोग बीमार नहीं पड़ते।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन के साथ, नई दिल्ली के पीतमपुरा स्थित सर्वोदय विद्यालय में स्टेम इनोवेशन लैब के उद्घाटन के मौके पर ग्रुप फ़ोटो के लिए पोज़ देती हुईं।

भारतीय सेना में अविवाहित पुरुष उम्मीदवारों के लिए निकली भर्ती, 350 पदों के लिए फटाफट 7 अगस्त तक करें आवेदन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय सेना में नौकरी करना देश के हजारों-लाखों युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, तो आपके लिए यह एक बेहतरीन मौका है। दरअसल, इंडियन आर्मी ने 68वां शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) के अंतर्गत पात्र अविवाहित पुरुष इंजीनियरिंग स्नातकों (ग्रेजुएट्स) से विभिन्न 350 पदों के लिए आवेदन एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके आमंत्रित किए हैं। भारतीय सेना की ओर से यह कोर्स अप्रैल 2027 में प्री-कमीशनिंग ट्रेनिंग अकादमी (पीसीटीए) में प्रारंभ होगा।

इंडियन आर्मी की ओर से जारी 350 रिक्तियों में सिविल के 75, कंप्यूटर साइंस के 60, इलेक्ट्रिकल के 33, इलेक्ट्रॉनिक्स के 64, मैकेनिकल के 101 और अन्य इंजीनियरिंग स्ट्रीम्स से 17 पद शामिल हैं।

इन सभी रिक्तियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 9 जुलाई से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 7 अगस्त तय की गई है। ऐसे में भारतीय सेना में शामिल होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरने के इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे इंडियन आर्मी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरा कर लें। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से संबंधित स्ट्रीम में इंजीनियरिंग की डिग्री होनी चाहिए। आवेदकों की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 27 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना 1 अप्रैल 2027 के तहत की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

राज्यसभा में भड़के खड़गे, बोले-'क्या अब मुझे रिजिजू से नियम सीखना पड़ेगा', मुझे नियम मत बताए, सरकार जवाब दे

नई दिल्ली (आरएनएस)। राज्यसभा में गुरुवार को हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि रिजिजू उन्हें संसदीय नियम न सिखाएं।

खड़गे ने कहा, क्या अब मुझे रिजिजू से नियम सीखना पड़ेगा? नियम मैं भी जानता हूं। आप लोग भी सभापति के कक्ष में जाकर नियमों का हवाला देते हैं। अगर मैं यहां अपना विषय पढ़कर नहीं बोलूंगा, तो यहां क्या करूंगा? क्या मैं आपके द्वारा दिया गया विषय पढ़ूंगा? यह मेरा अधिकार है कि मैं क्या बोलूं, कब बोलूं और कैसे बोलूं। उन्होंने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू द्वारा कांग्रेस के नवनिर्वाचित संसद पवन खेड़ा पर की गई टिप्पणी का भी जवाब दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष के सदस्यों का अपमान कर रही है। आप हमारे सदस्य का अपमान कर रहे हैं, जैसे सब कुछ आप ही जानते हों।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विपक्ष केवल देश से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने ऐसे सवाल उठाए हैं जो जनता और देश के हित से जुड़े हैं। खड़गे ने सरकार से मांग की कि गृह मंत्री सदन में आकर बयान दें। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि संबंधित मंत्री सदन में आकर बयान दें। उसके बाद हम पूरी तरह चर्चा के लिए तैयार हैं। खड़गे के वक्तव्य के दौरान भी सदन में शोर-शराबा जारी रहा और सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। खड़गे ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा कि सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे मुद्दों का जवाब देने के बजाय उनसे बचने की कोशिश कर रही है। सरकार यदि अपनी बात रखना चाहती है तो रखे, लेकिन विपक्ष को भी अपनी बात रखने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए।

उन्होंने सभापति से कहा कि सरकार की बात भी सुनिए, लेकिन विपक्ष को भी बोलने का अवसर दिया जाए। इसके बाद खड़गे ने राज्यसभा के नियमों का हवाला देते हुए कहा कि किसी सदस्य के खिलाफ मानहानिकारक या आपराधिक प्रकृति के आरोप तब तक नहीं लगाए जा सकते, जब तक संबंधित सदस्य को पहले इसकी सूचना न दी गई हो और नियमों का पालन न किया गया हो। उन्होंने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का बचाव करते हुए कहा, पवन खेड़ा पढ़े-लिखे और अच्छे व्यक्ति हैं। उनके बारे में इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। रिजिजू ने कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा के लिए कहा था कि वह अभी हाल ही में संसद पहुंचे हैं, उन्हें पहले संसदीय नियमों का अध्ययन करना चाहिए। खड़गे ने दिवंगत भाजपा नेता व पूर्व नेता प्रतिपक्ष अरुण जेटली के एक वक्तव्य का हवाला देते हुए आगे कहा कि लोकतंत्र में व्यवधान भी कभी-कभी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही से जुड़े महत्वपूर्ण और प्रासंगिक मुद्दे उठाना विपक्ष का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष जब भी जनता और देश से जुड़े सवाल उठाता है तो सरकार उनका जवाब देने से बचती है। खड़गे ने कहा कि हम प्रासंगिक मुद्दे उठा रहे हैं, लेकिन सरकार उनसे बच रही है, यह ठीक नहीं है। खड़गे के इस बयान के दौरान भी सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक और शोर जारी रहा।

सुप्रीम कोर्ट से आसाराम को झटका, खराब सेहत के आधार पर नहीं मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (आरएनएस)। जोधपुर में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली। खराब सेहत के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अभी कोई आदेश नहीं दिया। शीर्ष कोर्ट ने याचिका को लंबित रखते हुए कहा कि अगर आगे हालत ज्यादा बिगड़ती है तो दोबारा अंतरिम जमानत की मांग की जा सकती है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अभी अंतरिम जमानत पर कोई आदेश नहीं दिया जा सकता। आसाराम की याचिका फाइल पर रहेगी। जरूरत पड़ने पर बाद में फिर सुनवाई होगी। राजस्थान सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि आसाराम ने हाईकोर्ट से 20 दिन की पैरोल मांगी है लेकिन सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम जमानत की बात छिपाई। फिलहाल आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से 20 दिन की पैरोल मिली हुई है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की जमानत याचिका पर फैसला लेने से पहले एम्स से विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट मांगी थी। एम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आसाराम को अभी अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है लेकिन उनकी सेहत पर 24 घंटे नजर रखी जानी चाहिए।21 जुलाई को हुई सुनवाई में कोर्ट ने राजस्थान सरकार से आसाराम की ताजा मेडिकल रिपोर्ट मांगी थी। कोर्ट ने कहा था कि अगर रिपोर्ट में हालत गंभीर साबित होती है तो सिर्फ इलाज के लिए सीमित समय की अंतरिम जमानत पर विचार किया जा सकता है। 17 जुलाई की सुनवाई में आसाराम की तरफ से खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर कुछ समय के लिए अंतरिम जमानत मांगी गई थी।

वाणिज्यिक कोयला खनन से बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा, निवेश और उत्पादन, निजी क्षेत्र की भागीदारी पर जोर

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कोयला मंत्रालय से संबद्ध सांसदों की सलाहकार समिति की बैठक में बुधवार को वाणिज्यिक कोयला खनन सुधार एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने की। बैठक में कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों के प्रतिनिधि तथा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में लागू किए गए सुधारों में वाणिज्यिक कोयला खनन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आया है। उन्होंने बताया कि अब तक वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 14 चरण सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं।

पंजाब सरकार की प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली योजना से राज्य के लाखों परिवारों को मिली बड़ी आर्थिक राहत

पटियाला,(आरएनएस)। पंजाब सरकार द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा से राज्य के लगभग एक करोड़ बिजली उपभोक्ताओं में से करीब 90 प्रतिशत परिवारों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। राज्य सरकार की इस योजना ने सामान्य, मध्यम वर्गीय, गरीब तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बिजली बिलों का बोझ कम किया है। इसके परिणामस्वरूप उनके मासिक बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है और उन्हें प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ है।

आज पंजाब के लाखों परिवार राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठा रहे हैं। बिजली बिलों पर खर्च होने वाली राशि का उपयोग बड़ी संख्या में परिवार अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, घरेलू आवश्यकताओं तथा अन्य महत्वपूर्ण खर्चों पर कर रहे हैं।

इतना ही नहीं, इस योजना का एक और महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव यह देखने को मिला है कि लोगों में बिजली के संतुलित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ी है। अब बड़ी संख्या में परिवार अपनी मासिक बिजली खपत को 300 यूनिट के भीतर रखने के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। अनेक उपभोक्ता अनावश्यक विद्युत उपकरणों को बंद रखते हैं, एलईडी बल्बों तथा कम ऊर्जा खपत वाले विद्युत उपकरणों का अधिक उपयोग कर रहे हैं और एयर कंडीशनर (ए.सी.), हीटर जैसे अधिक बिजली खपत करने वाले उपकरणों का भी आवश्यकता एवं विवेक के अनुसार उपयोग कर रहे हैं।इन प्रयासों का सीधा लाभ उन परिवारों को मिला है जिन्होंने अपनी मासिक बिजली खपत 300 यूनिट के भीतर बनाए रखी। ऐसे उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में उल्लेखनीय बचत हुई है।

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन बोले-मोजतबा खामेनेई से बात करना बेहद मुश्किल है

तेहरान,(आरएनएस)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने बुधवार को एक साक्षात्कार में कहा कि नवनियुक्त सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से संवाद करना इस समय बेहद मुश्किल है, लेकिन उनकी उपस्थिति मजबूती दे रही है। उन्होंने कहा कि कुछ समूह मोजतबा की नकारात्मक छवि पेश करके विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उन्होंने ईरान के तनावपूर्ण दौर में समर्थन प्रदान करने में भूमिका बनाए रखी।

पेजेश्कियन ने कहा, मुजतबा खामेनेई से बातचीत करना अब बहुत मुश्किल है, लेकिन उनकी मौजूदगी हमारे लिए ताकत का बड़ा जरिया है, जिससे हम इस प्रक्रिया को जारी रख पाते हैं।

उन्होंने हाल में हुई एक निर्णय प्रक्रिया का जिक्र कर कहा कि मोजतबा ने परिषद की समीक्षा के परिणाम को स्वीकार कर लिया, जब प्रस्ताव को 13 में 12 वोट मिले थे।उन्होंने कहा कि मोजतबा को राजनीतिक विभाजन चाहने वाले लोग अलग तरह से चित्रित कर रहे हैं।पेजेश्कियन ने अमेरिकी-इजरायल हमले में मारे गए दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को लेकर कहा कि वह इस बात पर सहमत थे कि विदेश में रहने वाले ईरानियों को वापस लौटने पर किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।अली खामेनेई चाहते थे कि अगर किसी को कोई समस्या भी हो, तो भी हमें उनसे वापस आने के लिए कहना चाहिए, न कि यहां पहुँचने पर उन्हें गिरफ़्तार कर लेना चाहिए, उनकी योजना आसान आवाजाही की थी।अली खामेनेई की 28 फरवरी को मौत के बाद उनके छोटे बेटे मोजतबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता बनाया गया है, लेकिन पद संभालने के बाद से मोजतबा सामने नहीं आए हैं। अपने पिता के अंतिम संस्कार में भी मोजतबा नहीं दिखे।कई मीडिया रिपोर्ट्स में मोजतबा को गंभीर घायल बताया गया है, जिसकी ठीक होने की गुंजाइश कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ऐसा दावा कर चुके हैं।मोजतबा अभी लिखित और मौखिक तौर पर बयान जारी करते हैं।

टैरिफ पर ट्रंप के बुरे दिन, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लौटाए 100 अरब डॉलर

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में लगाए गए व्यापक आयात शुल्कों को लेकर लिया गया फैसला अब स्वयं ट्रंप प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इन शुल्कों के बड़े हिस्से को निरस्त किए जाने के बाद ट्रंप प्रशासन अब तक लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर आयातकों को वापस कर चुका है। शेष राशि लौटाने की प्रक्रिया भी जारी है।यह धनवापसी उन अतिरिक्त आयात शुल्कों की है, जिन्हें विभिन्न कंपनियों ने अमेरिका में सामान आयात करते समय जमा कराया था। बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने इन शुल्कों के बड़े हिस्से को असंवैधानिक या अवैध ठहराते हुए निरस्त कर दिया, जिसके बाद सरकार पर आयातकों को धन लौटाने की जिम्मेदारी आ गई। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने फरवरी में 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए राष्ट्रपति के टैरिफ संबंधी कई व्यापक प्रावधानों को रद्द कर दिया था। न्यायालय के निर्णय से पहले ट्रंप प्रशासन आयातकों से लगभग 166 अरब अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त आयात शुल्क वसूल चुका था।अदालत के आदेश के बाद सरकार को यह राशि वापस करनी पड़ रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जुलाई के अंत तक करीब 100 अरब अमेरिकी डॉलर आयातकों को लौटाए जा चुके हैं, जबकि शेष धनराशि की वापसी की प्रक्रिया जारी है।

डोनाल्ड ट्रंप हवाई हादसे में बाल-बाल बचे, उनका सैन्य हेलीकॉप्टर यात्री विमान के करीब से गुजरा

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मंगलवार को एक हवाई घटना सामने आई, जिसने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप जिस सैन्य हेलीकॉप्टर मरीन वन में यात्रा कर रहे थे, उसके निकट एक वाणिज्यिक यात्री विमान आ गया। दोनों विमानों के बीच कुछ समय के लिए दूरी निर्धारित सुरक्षा मानक से कम हो गई। घटना के बाद राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) और संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप का हेलीकॉप्टर व्हाइट हाउस से एंड्रयूज वायुसेना अड्डे की ओर जा रहा था, जहां से उन्हें कैलिफोर्निया के लिए अपने विशेष विमान में सवार होना था।

इसी दौरान वाशिंगटन स्थित रोनाल्ड रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे से एनवॉय एयर द्वारा संचालित एम्ब्रेयर ई–170 यात्री विमान ने उड़ान भरी। उड़ान भरने के बाद दोनों विमान कुछ क्षणों के लिए एक-दूसरे के काफी निकट आ गए। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच की दूरी एक मील से भी कम रह गई थी।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने स्पष्ट किया कि इस घटना के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी भी प्रकार के खतरे में नहीं थे।

संघीय विमानन प्रशासन के प्रवक्ता ने बताया कि प्रारंभिक सुरक्षा समीक्षा में यह सामने आया है कि कुछ क्षणों के लिए दोनों विमानों के बीच दूरी कम हो गई थी, लेकिन इसके तुरंत बाद दोनों सुरक्षित रूप से अलग हो गए।

उन्होंने कहा कि हवाई यातायात नियंत्रक लगातार वाणिज्यिक विमान के पायलट और मरीन वन हेलीकॉप्टर के चालक दल के संपर्क में थे। स्थिति पर पूरी निगरानी रखी जा रही थी और राष्ट्रपति की सुरक्षा पर कोई खतरा उत्पन्न नहीं हुआ।

अमेरिकी मरीन कोर ने इस घटना को बाल-बाल बचने जैसी स्थिति मानने से इनकार किया है। उसका कहना है कि निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर लिया गया था और किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका नहीं बनी।

उल्लेखनीय है कि जनवरी 2025 में वाशिंगटन क्षेत्र में एक यात्री विमान और सेना के ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर के बीच हुई टक्कर में 67 लोगों की मृत्यु हो गई थी। उस दुर्घटना के बाद रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास हवाई सुरक्षा व्यवस्था और संचालन नियमों को और अधिक सख्त कर दिया गया था।

संघीय विमानन प्रशासन ने हवाई अड्डे के आसपास हेलीकॉप्टर और जेट विमानों के मिश्रित संचालन पर स्थायी प्रतिबंध भी लागू किया था, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पाकिस्तान ने सर क्रीक के पास नए सैन्य संसाधन तैनात किए, चीन-तुर्की की ली मदद

इस्लामाबाद,,(आरएनएस)।पाकिस्तान सर क्रीक के पास अपने नौसैनिक और सैन्य ढांचे का विस्तार कर रहा है। ये गुजरात के कच्छ और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच 96 किलोमीटर लंबी संवेदनशील खाड़ी है, जो अरब सागर में मिलती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह विस्तार अबाबील-द डिवाइन स्ट्राइक नामक एक नई परियोजना का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तानी नौसेना ने सर क्रीक में अपने नौसेना विशेष सेवा समूह कमांडो तैनात किए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान तुर्की के ड्रोन, चीन के आधुनिक होवरक्राफ्ट और तेज गति से चलने वाली नौसैनिक नौकाओं के साथ-साथ नवीनतम रॉकेट और वायु रक्षा प्रणालियों को इस इलाके में तैनात कर रहा है।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि तुर्की के ड्रोन विस्फोटक सामग्री ले जाने में सक्षम हैं और इनका उपयोग निगरानी के लिए भी किया जा सकता है। इस प्रणाली का उद्देश्य बाहरी खतरों को नियंत्रित करना है।रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने सर क्रीक और अरब सागर में भारत की नौसैनिक उपस्थिति को चुनौती देने के उद्देश्य से अपने समुद्री अभियानों में मानवरहित हवाई और समुद्री ड्रोन को शामिल किया है।एक आंतरिक सूत्र ने बताया कि चीन और तुर्की दोनों ही उन्नत सैन्य उपकरण और तकनीक मुहैया कराकर पाकिस्तान के सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

शेख हसीना के ऑनलाइन संबोधन के बाद बांग्लादेश में बढ़ा तनाव

पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन के पैतृक घर पर पेट्रोल बम और पथराव, आग लगाने की भी कोशिश

ढाका, (आरएनएस)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन के मगुरा स्थित पैतृक घर पर अज्ञात उपद्रवियों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने घर पर पेट्रोल बम और पत्थरों से हमला किया तथा व्यापक तोड़फोड़ की। साथ ही मकान में आग लगाने का भी प्रयास किया गया। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, इसलिए किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

यह हमला ऐसे समय हुआ जब कुछ घंटे पहले ही शाकिब अल हसन ने भारत में रह रहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के वर्चुअल संबोधन में श्रीलंका से ऑनलाइन भागीदारी की थी। माना जा रहा है कि इसी कारण उनका घर निशाना बनाया गया।

जानकारी के अनुसार, यह घटना रात करीब 8:45 बजे मगुरा-1 क्षेत्र स्थित शाकिब अल हसन के पैतृक आवास पर हुई। उपद्रवियों ने पेट्रोल बम फेंकने के साथ ही पत्थरबाजी कर घर में जमकर तोड़फोड़ की। हमलावरों ने मकान में आग लगाने का भी प्रयास किया, जिससे भवन को काफी

नुकसान पहुंचा।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। पुलिस का कहना है कि हमले में शामिल लोगों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। मामले की जांच की जा रही है तथा घर के आसपास अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती कर दी गई है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना इस समय भारत में रह रही हैं। उन्होंने दो वर्ष बाद पहली बार एक वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से अपने समर्थकों को संबोधित किया। इसी कार्यक्रम में शाकिब अल हसन भी श्रीलंका से ऑनलाइन जुड़े थे।

शाकिब अल हसन पूर्व में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े रहे हैं। वह अवामी लीग के टिकट पर सांसद भी रह चुके हैं। राजनीतिक संबंधों और कार्यक्रम में भागीदारी को ही हमले की संभावित वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

अपने ऑनलाइन संबोधन में शेख हसीना ने कहा कि उनके खिलाफ मुकदमे चल रहे हैं, फिर भी वह बांग्लादेश लौटेंगी।

उन्होंने कहा कि भय उनके कर्तव्य को निर्धारित नहीं कर सकता। उनकी वापसी सत्ता प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि देश में सुरक्षा, विकास, समृद्धि और शांति बहाल करने के उद्देश्य से होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि देश की वास्तविक शक्ति जनता के हाथ में है और वह अपने लोगों के बीच अवश्य लौटेंगी।

शेख हसीना के ऑनलाइन कार्यक्रम को लेकर बांग्लादेश सरकार ने कड़ा राजनयिक विरोध दर्ज कराया है। सरकार का कहना है कि यह कार्यक्रम देश की संप्रभुता तथा वर्ष 2024 के जनविद्रोह के दौरान मारे गए लोगों की स्मृति का अपमान है।

फीचर

बिग बॉस फेम सोनिया बंसल का श्रेया कालरा को समर्थन, बोलीं- हर कहानी के कई पहलू होते हैं

बिग बॉस फेम अभिनेत्री सोनिया बंसल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस बार वजह उनका कोई नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि अपनी दोस्त और लॉक अप सीजन 2 की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा को लेकर दिया गया बयान है। सोशल मीडिया पर श्रेया कालरा और आकांक्षा चौधरी के बीच हुए विवाद को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसी बीच सोनिया ने खुलकर अपनी राय रखी है और श्रेया का समर्थन करते हुए कहा है कि किसी भी इंसान को सिर्फ एक घटना या सोशल मीडिया पर चल रही बातों के आधार पर नहीं आंकना चाहिए। सोनिया बंसल ने श्रेया कालरा के समर्थन में बात करते हुए कहा कि वह उन्हें लंबे समय से जानती हैं और उनके काम करने के तरीके से अच्छी तरह परिचित हैं। श्रेया मेरे लिए सिर्फ कंटेस्टेंट नहीं, बल्कि अच्छी दोस्त भी हैं।सोनिया ने कहा, मैं लॉक अप सीजन 2 के लिए पूरी तरह श्रेया कालरा का समर्थन कर रही हूं, क्योंकि सबसे पहले वह मेरी दोस्त हैं। उन्होंने पहले मेरा इंटरव्यू लिया था और हर बातचीत में मैंने उन्हें बेहद मेहनती, सम्मान देने वाली और अपने काम को लेकर गंभीर पाया है। जिस आत्मविश्वास के साथ वह खुद को पेश करती हैं और लोगों से जुडने के लिए कंटेंट बनाती हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है।आकांक्षा चौधरी से जुड़े विवाद पर बात करते हुए सोनिया ने कहा, इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। मैं किसी भी व्यक्ति के बारे में सिर्फ ऑनलाइन चर्चाओं के आधार पर राय नहीं बनातीं। हर कहानी के कई पहलू होते हैं और किसी भी मामले को पूरी तरह समझने के लिए सभी पक्षों को जानना जरूरी है। मैं जानती हूं कि श्रेया किस तरह की इंसान हैं, इसलिए मैं उनका समर्थन कर रही हूं।उन्होंने आगे कहा, हम सभी से गलतियां होती हैं, गलतफहमियां भी होती हैं और कई बार परिस्थितियों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। सबसे जरूरी बात यह है कि इंसान अपनी गलतियों से क्या सीखता है और आगे कैसे बढ़ता है।

नितेश तिवारी की मचअवेटेड फिल्म रामायण से बॉलीवुड डेब्यू को तैयार सुरभि दास, बनीं सीता की बहन श्रुतकीर्ति

फिल्ममेकर नितेश तिवारी की मचअवेटेड फिल्म रामायण का ट्रेलर रिलीज होते ही छा गया है, जो अपने वीएफएक्स, किरदार और कहानी को लेकर लोगों के बीच चर्चा में बना हुआ है। ट्रेलर में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार महत्वपूर्ण किरदार में नजर आए हैं। इस फिल्म में कई ऐसे स्टार भी दिखाई देंगे, जो इस फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा होंगे। हम बात कर रहे हैं सुरभि दास की, जो 4000 करोड़ में बनी रामायण से बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। टेलीविजन पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह नितेश तिवारी की मोस्ट अवेटेड रामायण में नजर आने वाली हैं।

अपने टेलीविजन करियर के लिए नॉर्थ-ईस्ट से मुंबई आईं सुरभि दास को नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण में एक अहम भूमिका मिली है। सुरभि दास ने बताया कि उनका सफर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के लिए एक ऑडिशन से शुरू हुआ था। हालांकि, कन्फर्मेशन आने में लगभग दो महीने लग गए और तब तक वह अपने शो पांड्या ब्रदर्स की शूटिंग शुरू कर चुकी थीं। सुरभि ने कहा- मैं मुकेश छाबड़ा के पास गई और ऑडिशन दिया। लगभग दो महीने बाद मुझे फोन आया कि मुझे चुन लिया गया है। उसके बाद लुक टेस्ट और कॉस्ट्यूम ट्रायल हुए। धीरे-धीरे मुझे सब समझ आने लगा। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था कि मैं इन दिग्गजों के साथ स्क्रीन शेयर करूंगी। यह एक अद्भुत एहसास है और मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं। हाल के सालों में टेलीविजन पर काम करने के बावजूद उन्होंने साफ किया कि फिल्मों में उनका आना किसी निराशा की वजह से नहीं, बल्कि एक एक्टर के तौर पर आगे बढ़ने की सच्ची इच्छा की वजह से था। मैं इसे संघर्ष नहीं कहूंगी। यह बस एक प्रक्रिया है। हम फिल्मी परिवारों से नहीं आते हैं, जहां कोई एक फोन कॉल करके हमें काम दिला सके। आपको ऑडिशन देना होता है और लगातार ऑडिशन देते रहना पड़ता है, जब तक आपके प्रोजेक्ट रिलीज नहीं हो जाते, आपको सही रोल मिलने पर कास्टिंग डायरेक्टर से संपर्क करते रहना पड़ता है।

लंच बॉक्स को अधिक पौष्टिक बनाने के लिए अपनाएं ये 5 सरल तरीके

लंच बॉक्स में खाने की तैयारी करना एक कला है, जो आपके दिनभर की ऊर्जा को बनाए रखने में मदद करता है। सही पोषण आपको शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल सुझाव देंगे, जिनसे आप अपने लंच बॉक्स को अधिक पौष्टिक और संतुलित बना सकते हैं, जिससे आपका दिन बेहतर हो सके।

सब्जियों का उपयोग बढ़ाएं

सब्जियां आपके लंच बॉक्स का अहम हिस्सा होनी चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी, और बथुआ विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होती हैं। इनमें फाइबर भी होता है जो पाचन को बेहतर बनाता है।इन्हें अपने लंच बॉक्स में शामिल करने से आपकी ऊर्जा स्तर भी बढ़ता है और आपको थकान महसूस नहीं होती।सब्जियों को हल्का सा भूनकर या भाप में पकाकर खाने से उनका स्वाद बढ़ जाता है और पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं।

प्रोटीन का ध्यान रखें

प्रोटीन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी होती है क्योंकि यह मांसपेशियों को मजबूत बनाती है और शरीर को ऊर्जा देती है।इसके लिए आप अपने लंच बॉक्स में दाल, चना, राजमा या छोले जैसी चीजें शामिल कर सकते हैं। इनका सेवन करने से आपको भरपूर प्रोटीन मिलती है और यह आपके शरीर को ताकत देती है।प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन दिनभर की थकान को दूर करता है और आपको तरोताजा महसूस करवाता है।

फलों को शामिल करें

फल विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।साथ ही ये आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं। अपने लंच बॉक्स में एक या दो फल जैसे सेब, केला या संतरा जरूर रखें।इनका सेवन करने से आपको ताजगी महसूस होगी और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे। फलों का सेवन न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि यह आपको मानसिक रूप से भी तरोताजा रखता है।

पानी पीते रहें

पानी शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।अगर आप ऑफिस या कॉलेज जाते हैं तो एक छोटी बोतल में पानी भरकर ले जाएं और समय-समय पर उसे पूरा करें। इससे आपका पाचन ठीक रहेगा और शरीर में हानिकारक तत्व भी बाहर निकलेंगे।पानी पीने से आपको थकान महसूस नहीं होगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

स्नैक्स पर ध्यान दें

स्नैक्स भी लंच बॉक्स का अहम हिस्सा होते हैं। चिप्स या बिस्किट खाने की बजाय नट्स, मखाना या भुने चने जैसे सेहतमंद विकल्प चुनें।ये स्नैक्स न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि आपके शरीर को जरूरी पोषण भी देते हैं। इनसे आपको ऊर्जा मिलती रहती है और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करते हैं।इन सरल सुझावों को अपनाकर आप अपने लंच बॉक्स को पौष्टिक बना सकते हैं, जिससे आपका दिन बेहतर गुजर सकेगा।

मोबाइल स्क्रीन के संपर्क में आ सकती है त्वचा, इन 5 तरीकों से पड़ता है असर

आजकल मोबाइल हर किसी की जरूरत बन गया है। हम इसका इस्तेमाल रोजाना घंटों तक करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मोबाइल स्क्रीन का आपके चेहरे पर क्या असर पड़ता है? आइए आज हम आपको कुछ ऐसे कारणों के बारे में बताते हैं, जिनके कारण मोबाइल स्क्रीन का इस्तेमाल त्वचा पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसके बाद आप अपनी त्वचा की देखभाल के लिए सही कदम उठा सकें।

मोबाइल स्क्रीन की गर्मी

जब आप फोन का इस्तेमाल करते हैं तो आपका चेहरा उसके करीब होता है। मोबाइल स्क्रीन गर्म हो जाती है, खासकर जब आप लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करते हैं।

यह गर्माहट आपके चेहरे की त्वचा को प्रभावित कर सकती है, जिससे जलन, लालिमा या दाने हो सकते हैं। इसलिए जब भी आप अपने फोन का इस्तेमाल करें तो उसे थोड़ी दूरी पर रखें या हेडसेट का उपयोग करें।

कीबोर्ड के निशान

मोबाइल कीबोर्ड पर टाइप करते समय उंगलियों के निशान रह जाते हैं।जब आप अपने चेहरे को छूते हैं तो ये निशान भी आपके चेहरे पर आ सकते हैं। इससे मुंहासे और त्वचा पर खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अपने फोन को साफ रखें और नियमित रूप से उसकी सफाई करें।इसके अलावा कीबोर्ड को भी साफ करते रहें ताकि बैक्टीरिया न बढ़ें और आपकी त्वचा स्वस्थ रहे।

नीली रोशनी का असर

मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी भी आपकी त्वचा पर असर डाल सकती है। यह रोशनी आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है और समय के साथ उम्र बढ़ने के लक्षणों को बढ़ा सकती है।

इससे बचाव के लिए आप अपने फोन पर नीली रोशनी फिल्टर का इस्तेमाल कर सकते हैं या रात को सोने से पहले इसे बंद कर सकते हैं।

इसके अलावा आप नीली रोशनी से बचाने वाले त्वचा देखभाल उत्पादों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बैक्टीरिया का खतरा

हमारा फोन रोजाना कई जगहों पर जाता है और हर जगह बैक्टीरिया होते हैं।जब आप अपने फोन को अपने चेहरे से लगाते हैं तो ये बैक्टीरिया आपकी त्वचा पर आ जाते हैं, जिससे संक्रमण या दाने हो सकते हैं।इससे बचाव के लिए अपने फोन को नियमित रूप से साफ करें और कभी भी किसी दूसरे व्यक्ति का फोन इस्तेमाल न करें।इसके अलावा अपने फोन को अपने बैग या जेब में रखने से बचें।

स्क्रीन सुरक्षा कवर

अगर आप अपने फोन को बिना किसी कवर के रखते हैं तो यह भी एक बड़ी गलती हो सकती है क्योंकि फोन कवर भी बैक्टीरिया से भरा होता है। इसलिए इसे बार-बार साफ करना जरूरी है।

इसके अलावा एक अच्छा स्क्रीन सुरक्षा कवर भी इस्तेमाल करें जो बैक्टीरिया को रोक सके।इन सभी तरीकों का पालन करके आप अपने चेहरे को मोबाइल स्क्रीन से होने वाले नुकसान से बचा सकते हैं।

सरस्वती म्यूजिक कॉलेज ने भारतीय संगीत एवं संस्कृति को विश्वभर में नई पहचान दिलाई है : बलराम सैनी

-ताशकंद उज़्बेकिस्तान शाखा से संगीत शिक्षा प्राप्त कथक नृत्यांगना शबनम बेगम ने दी आकर्षक प्रस्तुति

-बलराम सैनी ने देश और विदेश में नर्मदांचल का नाम रौशन किया है- पं भवानी शंकर शर्मा

नर्मदापुरम (निप्र)। सरस्वती म्यूजिक कॉलेज से जुड़े नर्मदांचल निवासी वरिष्ठ समाजसेवी बलराम सैनी ने उनकी नर्मदे रिवर व्यू रिसार्ट में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि उनके मन में नर्मदापुरम में कुछ नया करने की प्रबल इच्छा है। नर्मदापुरम में म्यूजिक कालेज संगीत, कल्चर हब बनाने, नर्मदा तट पर इस पार से उस पार तक झूला पुल सहित अनेक इच्छाएं हैं। संगीत सीखने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने, छात्रवृत्ति देने सहित अन्य अनेक विचार उनके मन में हैं। आने वाले समय में यहां पर फिल्मी कलाकारों तथा संगीत नृत्य से संबंधित बड़े आयोजन की रूपरेखा बनाई जा रही है। जिसमें मनोज तिवारी सहित अन्य सिने कलाकारों को बुलाया जाना है। उन्होंने सरस्वती म्यूजिक कॉलेज की बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस कालेज की स्थापना लाहौर में वर्ष 1924 में स्वर्गीय बंसीलाल जी द्वारा की गई थी। भारत विभाजन के पश्चात् से आज तक इस संस्था का भारत में सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इस संस्था से पंडित जसराज मोहम्मद रफ़ी ओपी नैयर सुलक्षणा पंडित सहित अनेक विश्वविख्यात कलाकारों ने संगीत की शिक्षा प्राप्त की है।संस्था ने देश.विदेश में अनेक प्रतिष्ठित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया है जिनमें लता.किशोर नाइट् लंदन किशोर कुमार नाइट्स दिल्ली तथा दलेर मेहंदी सहित अनेक प्रसिद्ध कलाकारों के कार्यक्रम प्रमुख हैं। इन आयोजनों के माध्यम से संस्था ने भारतीय संगीत एवं संस्कृति को विश्वभर में नई पहचान दिलाई है। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज हमें अत्यंत हर्ष हो रहा है कि सरस्वती म्यूजिक कॉलेज, ताशकंद उज्बेकिस्तान शाखा से संगीत शिक्षा प्राप्त कथक नृत्यांगना सुश्री शबनम बेगम अपनी मनमोहक प्रस्तुति देने के लिए हमारे बीच उपस्थित हैं। इन्होंने विगत वर्षों में कोरी घाट पर दो बार अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया है तथा अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया है।

मेरे सहपाठी हैं बलराम सैनी- पं भवानी शंकर शर्मा

कार्यक्रम के मुख्यअतिथि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी पं भवानी शंकर शर्मा ने कहा कि बलराम सैनी हमारे सहपाठी रहे हैं। उनकी लगन को हमने देखा है उन्होंने एक छोटे से स्थान से निकलकर भारतीय संगीत और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए हैं। देश में सरस्वती म्यूजिक कॉलेज के माध्यम से और विदेश में अपने नर्मदांचल का नाम रौशन किया है। इस मौके पर श्रीमती सैनी व पूर्व पार्षद तेज कुमार गौर भी मौजूद रहे।

उज्बेकिस्तान की कलाकार शबनम के नृत्य ने समां बांधा

नर्मदा रिवर व्यू रिसोर्ट में उज्बेकिस्तान से भारत की कला और संस्कृति से प्रभावित होकर उसे समझने लिए भारत के नर्मदापुरम आई उज्बेकिस्तान युवती शबनम बेगम ने पहले उज्बेकिस्तान की संस्कृति वाला नृत्य तथा उसके बाद भारतीय कथ्थक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर समां बांधा। पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि नर्मदा का तट बहुत सुंदर है। भोपाल भी बहुत अच्छा है।

उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत कला को सीखने के लिए यहां आई हुई हैं। साथ ही यहां की सांस्कृतिक विरासत और कला को उज्बेकिस्तान में प्रचार प्रसार करेंगी। नर्मदा रिवर व्यू रिसोर्ट के संचालक बलराम सैनी द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि सरस्वती म्यूजिक कालेज द्वारा करीब 102 वर्ष पूर्ण कर लिए गए हैं।

नर्मदा रिवर व्यू के संचालक बलराम सैनी ने अपने और पूर्व जिपं अध्यक्ष पं शर्मा की 67 वर्ष पुरानी दोस्ती के अनेक किस्से सुनाए। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में यहां विशाल सांस्कृतिक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसमें बालीबुड के अनेक कलाकार आने वाले हैं। जिसकी तैयारी की जा रही है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार से राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने की शिष्टाचार भेंट

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित संसद परिसर में भारत सरकार के केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार से शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान सांसद माया नारोलिया ने केंद्रीय मंत्री का कुशलक्षेम जाना। साथ ही सामाजिक कल्याण, वंचित एवं पिछड़े वर्गों के सशक्तिकरण, दिव्यांगजन कल्याण तथा क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।इस अवसर पर जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों और प्राथमिकताओं पर सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। सांसद माया नारोलिया ने कहा कि केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार का दीर्घ सार्वजनिक अनुभव, संवेदनशील कार्यशैली और मार्गदर्शन जनसेवा के कार्यों में निरंतर प्रेरणा एवं नई ऊर्जा प्रदान करता है।

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा की जनसुनवाई गोपालकुंज रसूलिया में बनेगी नाली और सड़क

नर्मदापुरम (निप्र)। नगरपालिका में प्रति गुरूवार को होने वाली जनसुनवाई आम नागरिकों को त्वरित लाभ मिल रहा है। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा जनसुनवाई करते हुए 15 से अधिक आवेदकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। गोपालकुंज रसूलिया वार्ड 23 की महिलाओं ने शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि हमारे वार्ड में नाली और सड़क निर्माण की आवश्यकता है। हमारे वार्ड की पेयजल की जांच की जाए।

नपाध्यक्ष द्वारा आवेदन पर सुनवाई करते हुए तत्काल उपयंत्री को निर्देश दिए । उन्होंने आवेदक महिलाओं को आश्वस्त किया कि जल्द ही आपकी कालोनी में सडक और नाली का निर्माण होगा। पेयजल की जांच करने महिलाओं के लिए साथ ही जलप्रदाय शाखा की टीम को भेजकर उनकी समस्या का समाधान कराया जा रहा है।'कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देश पर नपा में जनसुनवाई की जा रही है।' गुरूवार को करीब 15 से अधिक आवेदन आए जिसमें पेंशन प्रकरण के आवेदन पीएम आवास के आवेदन राशन कार्ड समर्पण के थे। जिनका संतुष्टिपूर्ण समाधान किया गया। जनसुनवाई में उपयंत्री दीक्षा तिवारी रीना गुप्ता स्वच्छ भारत अभियान नोडल अनुराग तिवारी पीएम आवास शाखा के दीपक गौर आदि उपस्थित थे।

नन्हीं आँखों की सुरक्षा की दिशा में सार्थक पहल

द चैम्प्स फन स्कूल में नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। बच्चों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए द चैम्प्स फन स्कूल में नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों की आँखों से संबंधित समस्याओं की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करना तथा उन्हें समय पर विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराना था। पूरे शिविर का संचालन विद्यालय परिसर में सुव्यवस्थित रूप से किया गया जहाँ सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह स्वास्थ्य शिविर सेवासदन आई हॉस्पिटल भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में भोपाल से आईं डॉ सुनीता कहार एवं डॉ शुभम सराठे ने नेत्र जांच हेतु आवश्यक विशेषज्ञों की टीम के साथ विद्यार्थियों की आँखों का परीक्षण किया। जाँच के दौरान दृष्टि क्षमता आँखों के सामान्य स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक पहलुओं की जांच की गई। जिन विद्यार्थियों को आगे विस्तृत जाँच या चिकित्सकीय सलाह की आवश्यकता थी उनके लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।इस अवसर पर द चैम्प्स फन स्कूल के प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी डायरेक्टर जूही चटर्जी स्कूल कोऑर्डिनेटर रीना मालवीय एकेडमिक कोऑर्डिनेटर स्नेहा शर्मा एडमिन ऑफिसर विनीता

जैसलानी सहित समस्त शिक्षक.शिक्षिकाएँ एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। शिविर में विद्यार्थियों के साथ कर्मचारियों की भी नेत्र जांच की गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ चटर्जी ने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ उत्तम स्वास्थ्य होना भी समान रूप से आवश्यक है। उन्होंने बताया कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण बच्चों की छोटी समस्याओं को समय रहते पहचानने में सहायक होते हैं जिससे उनको समय पर मार्गदर्शन मिलने से भविष्य की समस्या का आसानी से समाधान हो जाता है। इससे उनका आत्मविश्वास एकाग्रता एवं सीखने की क्षमता बेहतर बनी रहती है।शिविर के दौरान चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को आँखों की स्वच्छता बनाए रखनेए पौष्टिक भोजन ग्रहण करने पर्याप्त रोशनी में अध्ययन करनेए लंबे समय तक मोबाइल एवं अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने से बचने तथा समय.समय पर नेत्र परीक्षण कराने के महत्व के बारे में सरल एवं उपयोगी जानकारी दी। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह के साथ इस जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। डायरेक्टर श्रीमती चटर्जी ने कहा कि द चैम्प्स फन स्कूल शिक्षा के साथ.साथ विद्यार्थियों के शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक विकास के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। इसी उद्देश्य से समय.समय पर स्वास्थ्य परीक्षण जागरूकता अभियान एवं अन्य जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। समापन पर विद्यालय परिवार ने सेवासदन आई हॉस्पिटल भोपाल की पूरी चिकित्सकीय टीम विशेष रूप से डॉ सुनीता कहार एवं डॉ शुभम सराठे के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यालय ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कार्य किया जाता रहेगा।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान आज से होगा प्रारंभ

जिले का प्रथम शिविर ग्राम ग्वाड़ी (विकासखंड सिवनी मालवा) में आयोजित होगा

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के सफल एवं प्रभावी संचालन के लिए गुरूवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की रूपरेखा, शिविरों के आयोजन, गतिविधियों एवं निरीक्षण संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 7 अगस्त 2026 से प्रारंभ होकर 8 जनवरी 2027 तक संचालित किया जाएगा। जिले में अभियान का प्रथम शिविर विकासखंड सिवनी मालवा के ग्राम ग्वाड़ी में आयोजित होगा। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक माह के प्रत्येक शुक्रवार को शिविर लगाए जाएंगे, जिनके माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाएगा।

बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने सांसदों, विधायकों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों को जिले के सातों विकासखंडों में आयोजित होने वाले शिविरों का रोस्टर, शिविरों के दौरान संचालित की जाने वाली गतिविधियों तथा निरीक्षण संबंधी कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान शासकीय परिसंपत्तियों एवं विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उपयोग की भी समीक्षा और निरीक्षण किया जाएगा, जिससे योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके। कलेक्टर ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिले के प्रत्येक विकासखंड में तीन क्लस्टर स्तरीय शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें ग्रामीण क्लस्टर के अंतर्गत चयनित ग्राम पंचायतों के साथ संबंधित अन्य ग्राम पंचायतों तथा शहरी क्लस्टर के अंतर्गत संबंधित नगरीय निकाय के सभी वार्डों को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त जिले में एक जिला स्तरीय शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, नगर पालिका परिषद इटारसी के अध्यक्ष पंकज चौरे, जनप्रतिनिधि श्रीमती प्रीति शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुईं।

पचमढ़ी नागद्वारी मेला 8 से 17 अगस्त तक स्वास्थ्य अमले की लगाई गई ड्यूटी

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पचमढ़ी में नागद्वारी मेला आयोजित किया जा रहा है। मेला 07 अगस्त 2026 से 17 अगस्त 2026 तक चलेगा। मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधा के लिए 08 अगस्त से 17 अगस्त तक चिकित्सा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नर्मदापुरम नरसिंह गहलोत द्वारा मेले अवधि में विभिन्न सेक्टर पाइंटों पर चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ एवं एंबुलेंस वाहन चालकों की ड्यूटी 08 अगस्त 2026 से 17 अगस्त 2026 तक तत्काल प्रभाव से लगाई गई है। खण्ड चिकित्सा अधिकारी पिपरिया डॉ. राजकुमार देजवार को नागद्वारी मेला पचमढ़ी का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मेले की संपूर्ण चिकित्सा व्यवस्था की जिम्मेदारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी पचमढ़ी की रहेगी। मेले में समस्त जीवन रक्षक औषधियां, एंबुलेंस एवं आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने का पूर्ण दायित्व नोडल अधिकारी का होगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पचमढ़ी की इमरजेंसी ड्यूटी का रोस्टर बनाने की जिम्मेदारी डॉ. दिलीप कुमार शर्मा को सौंपी गई है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

नर्मदापुरम में शिक्षा घर योजना का पायलट शुभारंभ

स्कूल से बाहर बच्चों की पहचान कर दिलाया जाएगा औपचारिक शिक्षा में प्रवेश

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश स्टेट ओपन स्कूल (MPSOS) और स्कूल शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल से गुरुवार को नर्मदापुरम जिले में शिक्षा घर योजना को पायलट आधार पर आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में MPSOS के सहायक संचालक श्री राम वैद्य ने योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य जिले में शिक्षा की पहुँच को मजबूत करना और स्कूल से बाहर रह गए प्रत्येक योग्य बच्चे की पहचान कर औपचारिक शिक्षा प्रणाली में व्यवस्थित नामांकन सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में जिले के सभी क्लस्टर प्राचार्यों को ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए बुलाया गया। इसमें उन्हें शिक्षा घर एप्लीकेशन के काम करने के तरीके तथा स्कूल से बाहर बच्चों की पहचान और पंजीयन की मानक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड संचालक श्री राम वैद्य, जिला शिक्षा अधिकारी एल. एन. प्रजापति, एडीपीसी राजेश गुप्ता, डीसीसी राजेश जायसवाल, प्राचार्य संदीप शुक्ला, प्राचार्य आशुतोष भार्गव सहित जिले के विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संकुल प्राचार्य एवं विकासखंड स्रोत समन्वयक उपस्थित रहे।दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई।

इटारसी के 140 आंगनवाड़ी केंद्रों में एक पेड़ बेटी के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण

लाड़ली बालिकाओं संग रोपे गए 140 पौधे, दिया पर्यावरण और बेटी सम्मान का संदेश

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय जैन के निर्देशन में बुधवार को एक पेड़ बेटी के नाम अभियान के अंतर्गत इटारसी परियोजना के समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इटारसी परियोजना के 140 आंगनवाड़ी केंद्रों पर कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान कुल 140 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में लाड़ली बालिकाओं एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की सक्रिय उपस्थिति रही। स्थानीय समुदाय की मौजूदगी में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ बेटी सम्मान का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन परियोजना अधिकारी योगेश घाघरे के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सतत मॉनिटरिंग में पर्यवेक्षक श्रीमती अर्चना बस्तवार, श्रीमती रेखा चौरे, श्रीमती मीना गाठले, श्रीमती दीप्ति शुक्ला एवं श्रीमती राखी मौर्य का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर समस्त कार्यकर्ता-सहायिका भी उपस्थित रहीं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह पर पुरुस्कार के साथ प्रदान किए जाएंगे पौधे

प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के अतिरिक्त भी सभी बच्चों को मिलेगा सांत्वना पुरस्कार

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय, भव्य एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व की सभी तैयारियां समयबद्ध एवं सुनियोजित ढंग से पूर्ण की जाएं तथा वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इस वर्ष प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के अतिरिक्त प्रस्तुति देने वाले सभी शेष विद्यार्थियों को भी उनके उत्साहवर्धन के लिए सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा तथा उनमें राष्ट्रीय पर्वों के प्रति सहभागिता की भावना और अधिक प्रबल होगी। कलेक्टर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार के लिए पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में 10 अगस्त तक जिला कार्यालय में अनिवार्य रूप से भेजे जाएं, ताकि समय पर उनका परीक्षण एवं अनुमोदन किया जा सके।

In The Court Of II Civil Judge Class-I, District Court, Narmadapuram

Presiding Officer: श्रीमती दिव्या मित्तल

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000001/2026)

ज्योति अहिरवार... आवेदक

Vs

सर्वसाधारण.....अनावेदक

Process Id-654a/2026

पेशी दिनांक: 11/09/2026

प्रेषिती-

(1) सर्वसाधारण पता-सर्वसाधारण

(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक ज्योति अहिरवार पता ने मृतक मकरन सिंह इवाना निवासी सरस्वती नगर रसूलिया तहसील व जिला नर्मदापुरम (म.प्र) की..... राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 11 September 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 11 September 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें । सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 04 August 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

टिप्पणी:-प्रकाशन:

कृपया ध्यान दें :-

1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

न्यायाधीश
श्रीमती दिव्या मित्तल
द्वितीय सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
नर्मदापुरम जिला - नर्मदापुरम (म. प्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

अब
न देरी,
न दूरी
मुख्यमंत्री जन-विश्वास
अभियान
अब सरकार हमारे द्वार
नामांतरण, सीमांकन व फाइलें अब अटकेंगी नहीं, होगा ऑन-द-स्पॉट क्लीयरेंस!
हर योग्य किसान को फार्मर ID और टॉप-क्वालिटी खाद-बीज की इंस्टेंट डिलीवरी
आयुष्मान कार्ड का 100% कवरेज + हॉस्पिटल्स का ऑन-ग्राउंड सरप्राइज ऑडिट
e-KYC और आधार कार्ड अपडेशन बिना किसी झंझट के तुरंत डन!
कुटीर व लोकल बिजनेस को N.O.C. और स्वीकृतियों का सुपरफ़ास्ट अप्रूवल
PM आवास, नल से जल, राशन और लॉ एंड ऑर्डर का स्ट्रिक्ट ऑन-स्पॉट चेक
लोक सेवा गारंटी प्रकरणों का शत-प्रतिशत समाधान, सरकारी कार्यप्रणाली का इवैल्यूएशन और जनसमस्याओं का क्विक सॉल्यूशन
आंगनवाड़ी सेवाओं व बच्चों के पोषण की निगरानी और स्कूल-कॉलेजों की शिक्षा का मूल्यांकन
सड़क, तालाब, अमृत सरोवर और अन्य विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन
D-11073/26
शुभारंभ
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा
छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027
हर शुक्रवार, सरकार जनता के द्वार
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026